नई दिल्ली ■ बुधवार 18 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 349 ■ पृष्ठ 08

JBT
www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बेगुनाह मासूम स्कूली बच्चियों के ... | 07 एएफसी एशियन कप 2027 के लिए वियतनाम क्वालीफाई, मलेशिया बाहर | मलाइका ने नया लाइफस्टाइल एक्सेसरी ब्रांड... 08

पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने की बड़ी तैयारी

हर विस सीट पर होगा एक पर्यवेक्षक

कोलकाता। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर व्यापक प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में कुल 557 सामान्य पर्यवेक्षक, 188 पुलिस पर्यवेक्षक और 366 व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की है।

इन राज्यों में पश्चिम बंगाल के अलावा तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे खास है, जहां सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए अलग-अलग सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। यह संख्या राज्य की कुल सीटों के बराबर है, जबकि अन्य राज्यों में सामान्य पर्यवेक्षकों की संख्या वहां की कुल सीटों से कम रखी गई है। सुरक्षा के लिहाज से भी पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 84 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। इसके मुकाबले तमिलनाडु में 40, असम में 35, केरल में 17 और पुडुचेरी में चार पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। वहीं व्यय पर्यवेक्षकों के मामले में तमिलनाडु शीर्ष पर है, जहां 151 पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल में 100 व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

18 मार्च तक तैनाती के निर्देश चुनाव आयोग ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया है कि वे 18 मार्च तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पहुंच जाएं। इसके बाद वे अपने संपर्क विवरण सार्वजनिक करेंगे और रोजाना तय समय पर उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और आम नागरिकों की चुनाव संबंधी शिकायतें सुनेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया कि ये नियुक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत की गई हैं। इन पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारी चुनाव प्रक्रिया की निगरानी करना और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। दो चरणों में होगा मतदान उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में 2026 का विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराया जाएगा।

पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर मतदान होगा, जबकि दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। चुनाव आयोग के अनुसार, प्रत्येक चरण में कम से कम 2300 केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कंपनियां तैनात की जाएंगी, ताकि चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जा सके।

केरल विस चुनाव: कांग्रेस के 55 उम्मीदवारों की पहली सूची में 20 विधायकों के भी नाम

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केरल में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 55 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इसमें 20 मौजूदा विधायकों के भी नाम हैं। प्रमुख नामों में सीडब्ल्यूसी सदस्य रमेश चेन्निथला, विपक्ष के नेता वीडी सतीशन और केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ शामिल हैं। सूची में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर (16) से टिकट दिया गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन को परवूर (78) से फिर उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के बेटे चांडी ओम्मेन को पुतुप्पल्ली (98) से टिकट दिया गया है, वह वर्तमान में यहां से विधायक हैं। पूर्व सांसद राम्या हरिदास को चिरायिन्कीझु (129, अनुसूचित जाति) से उम्मीदवार बनाया गया है। वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को हरिपाद (107) से और के मुरलीधरन को वट्टियोरकावु (133) से टिकट दिया गया है।

असम विधानसभा चुनाव-2026: भाजपा 89 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने आगामी असम विधानसभा चुनाव-2026 को लेकर कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के भीतर सीटों के बंटवारे का फार्मूला लगभग तय हो गया है। इसके तहत असम गण परिषद (अगप) 26 सीटों पर, बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) 11 सीटों पर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शेष 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। नई दिल्ली में हुई अहम बैठक के बाद मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि चर्चा मुख्य रूप से भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच गठबंधन की रणनीति और सीटों के तालमेल पर केंद्रित रही। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से भी साझा की गई है। डॉ. सरमा ने बताया कि बैठक में भाजपा, बीपीएफ और अगप के बीच चुनावी तालमेल को अंतिम रूप देने के साथ-साथ उम्मीदवारों के चयन पर भी विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा का केंद्रीय संसदीय बोर्ड बुधवार शाम 7 बजे बैठक कर उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, उम्मीदवारों की पहली सूची जल्द ही जारी कर दी जाएगी। संभवतः देर रात या अगली सुबह तक। उन्होंने संकेत दिया कि इस बार सूची में कई नए चेहरों को मौका मिलेगा, जिनमें विशेष रूप से महिलाएं और युवा नेता शामिल होंगे। यह पार्टी के भीतर व्यापक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। परिसीमन का असर भी इस चुनाव में देखने को मिल सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में हुए परिसीमन के कारण कई निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदली हैं, जिसके चलते कुछ मौजूदा विधायकों के टिकट कट सकते हैं। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से साफ है कि सत्ताधारी गठबंधन ने असम विधानसभा चुनाव-2026 के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है और जल्द ही उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

पाकिस्तान ने तालिबान के ठिकानों को निशाना बनाया, 400 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने रात भर 'हवाई हमले' कर अफगानिस्तान भर में आतंकवादियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाया, हालांकि अफगान सरकार ने इस्लामाबाद पर काबुल में एक पुनर्वास अस्पताल पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोग मारे गए।

पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, ये ताजा हमले 26 फरवरी को शुरू किए गए ऑपरेशन 'गजब-लिल-हक' के जारी रहने के दौरान हुए हैं। पाकिस्तान ने 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा पर अफ़गान तालिबान बलों द्वारा कथित हमलों के जवाब में यह ऑपरेशन शुरू किया था। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक के तहत 16 मार्च की रात काबुल और नंगरहार में अफ़गान तालिबान शासन के आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक हवाई हमले किए। उन्होंने दावा किया कि काबुल में दो स्थानों पर स्थित तकनीकी सहायता ढांचे और गोला-बारूद भंडारण अड्डे पूरी तरह से नष्ट हो गए। उन्होंने दावा किया कि नंगरहार में अफगान तालिबान शासन द्वारा 'आतंकवाद को समर्थन' देने वाले चार सैन्य ठिकानों पर भी हमला किया गया, जिससे संबंधित रसद, गोला-बारूद और तकनीकी ढांचे को नष्ट कर दिया गया। हालांकि, अफ़गान तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फ़ितरत ने कहा कि सोमवार रात पाकिस्तान द्वारा की गई बमबारी में अफ़गानिस्तान की राजधानी में स्थित एक नशामुक्ति केंद्र को निशाना बनाया गया था, जिस हमले में कम से कम 400 लोग मारे गए।

उन्होंने कहा कि 250 अन्य लोग घायल हुए हैं। फितरत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हमले में अस्पताल के बड़े हिस्से नष्ट हो गए और बचाव दल मलबे से शवों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को बताया कि बचाव अभियान जारी रहने के दौरान मलबे के नीचे अब भी 50 से अधिक शव फंसे होने की आशंका है।

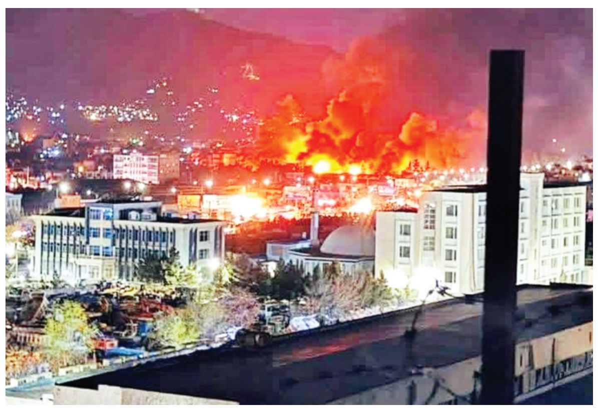

काबुल के अस्पताल पर पाकिस्तान के 'बर्बर' हवाई हमले की भारत ने की घोर निंदा

नई दिल्ली। भारत ने 16 मार्च की रात काबुल के ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर पाकिस्तान के 'बर्बर' हवाई हमले की घोर निंदा की है। भारत का कहना है कि यह हिंसा का एक 'कायरतापूर्ण और अमानवीय' कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता। पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कल के घटनाक्रम पर आज एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पाकिस्तान का यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया जो इसे और भी निंदनीय बनाता है।

इजराइली हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी की मौत

यरूशलम। इजराइल के रक्षा मंत्री ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सेना ने रात भर किए गए हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी को मार गिराया है। इजराइल काट्ज ने हमले में लारीजानी की मौत का दावा किया। इजराइली सेना ने यह भी दावा किया कि उसने रिवॉल्यूशनरी गार्ड के स्वयंसेवी बासिज बल के प्रमुख गुलाम रजा सुलेमानी को भी मार गिराया है। इससे पहले, 28 फरवरी को हुए हमले में ईरान के 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी।

पश्चिम एशिया संकट: भारत का दूसरा LPG जहाज 'नंदा देवी' पहुंचा गुजरात

अहमदाबाद। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत का दूसरा एलपीजी जहाज 'नंदा देवी' मंगलवार को वाडीनार बंदरगाह सुरक्षित पहुंच गया। अधिकारी ने बताया कि यह जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर 46,500 मीट्रिक टन गैस लेकर आया है।

इससे पूर्व, पहला जहाज 'शिवालिक' सोमवार को मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा था। दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि 'नंदा देवी' जहाज देवभूमि द्वारका जिले के वाडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) को सहायक जहाज में स्थानांतरित करने की तैयारी की जा रही है। सिंह ने बताया कि वाडीनार बंदरगाह प्राधिकरण को बंदरगाह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार इन कार्यों को अधिकतम दक्षता के साथ पूरा करना है। वर्तमान निर्देशों के तहत आने वाले एलपीजी जहाजों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है ताकि उनके स्थानांतरण एवं उतार की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी हो सके।

राजस्थान: बस-ट्रोला की आमने-सामने टक्कर, 5 यात्रियों की मौत

हनुमानगढ़। जिले में मंगलवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। रावतसर थाना क्षेत्र में सरदारशहर रोड स्थित बरमसर के पास मेगा हाईवे पर एक निजी बस और ट्रोले की आमने-सामने भिड़ंत में पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। निजी बस श्रीगंगानगर से जयपुर जा रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे सरसों से भरी दो ट्रॉलियां खड़ी थीं। बस चालक उन्हें ओवरटेक कर रहा था, तभी सामने से आ रहे ट्रोले से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

लोकसभा में विपक्ष के 8 सदस्यों का निलंबन वापस लिया गया

नई दिल्ली। लोकसभा ने मंगलवार को विपक्ष के आठ सदस्यों का निलंबन वापस ले लिया। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया, जिसका ध्वनिमत से सभी ने एकमत होकर समर्थन किया। लोकसभा में बजट सत्र के पहले चरण में 3 फरवरी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नहीं बोलने देने के खिलाफ विपक्षी सदस्यों ने आसन के सामने आकर भारी विरोध प्रदर्शन किया था।

सीएम योगी ने कैलाश मानसरोवर के यात्रियों को वितरित की 5.5 करोड़ की सहायता राशि

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कैलाश मानसरोवर के 555 तीर्थ यात्रियों को एक-एक लाख रुपये की अनुदान राशि वितरित की। यह सभी श्रद्धालु कैलाश मानसरोवर की यात्रा करके वापस आए हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार मानसरोवर यात्रा को बढ़ावा देने के लिए पर यात्रियों उनके खर्च होने वाली राशि में से एक लाख रुपये का अनुदान दे रही है। आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मारसरोवर की यात्रा कर चुकने वाले सभी श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत में प्राचीन समय से ही यात्रा पर लोग जाते हैं। यह यात्राएं समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने के लिए मददगार रही हैं। इससे लोगों को रोजगार मिलता है। याद कीजिये जब आदि शंकर ने केरल से निकलकर देश के चार कोनों में चार पीठों की स्थापना की।

तब एक सरकार नहीं थी। तमाम राजा रजवाड़े थे, लेकिन सांस्कृतिक रूप से पूरा देश एक था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2025 में 164 करोड़ श्रद्धालु उत्तर प्रदेश की धरती पर आए। इसमें 66 करोड़ केवल प्रयागराज महाकुंभ में आए। इसके साथ ही वाराणसी, अयोध्या, मथुरा जैसे क्षेत्रों में श्रद्धालुजनों का आगमन हुआ। यह एक चुनौती भी है। यह चुनौती के साथ अवसर भी होता है। सरकार अपने स्तर पर प्रयास करती है कि उन्हें अच्छी सुविधा दिया जा सके।

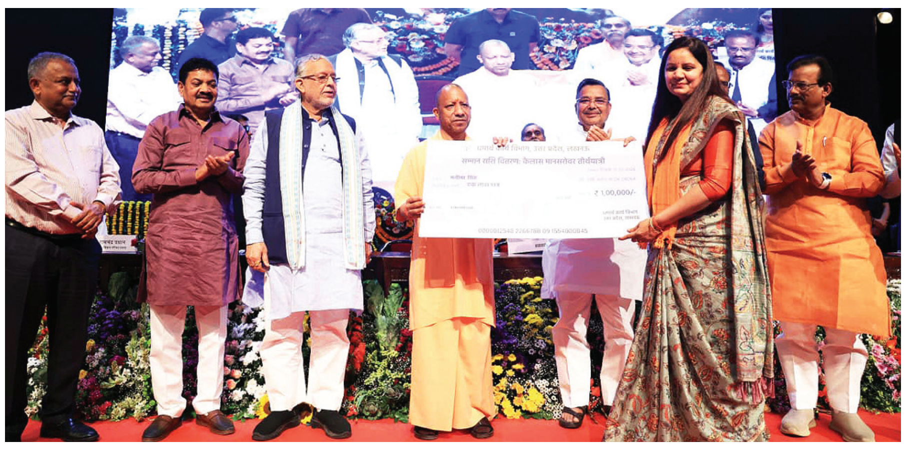

फर्जी तरीके से ईसीएचएस कार्ड से इलाज कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने फर्जी तरीके से ईसीएचएस (ECHS) कार्ड का उपयोग कर निजी अस्पतालों में इलाज कराने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक महिला समेत 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन, व्हाट्सएप के माध्यम से प्रयोग किया गया ईसीएचएस कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस इस गिरोह में शामिल अन्य अभियुक्तों की तलाश कर रही है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना बिसरख पुलिस द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए फर्जी तरीके से ईसीएचएस कार्ड का उपयोग कर अस्पतालों में इलाज कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 4 अभियुक्त शिखा सिंह पुत्री स्व. सुरेन्द्र सिंह,यश सिंह पुत्र स्व. सुरेन्द्र सिंह, जितेन्द्र यादव पुत्र बिजेन्द्र सिंह यादव एवं दानिश खान पुत्र यामीन को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि एक वादी की पुत्री के ईसीएचएस कार्ड एवं आधार कार्ड का फर्जी तरीके से

उपयोग करते हुए तनु पुत्री स्व. सुरेन्द्र सिंह का अस्पताल में इलाज कराया गया। इस कृत्य के माध्यम से उपचार में व्यय होने वाली लगभग 6.50 लाख की धनराशि का अवैध लाभ प्राप्त किया गया। उपचार के दौरान तनु की मृत्यु हो जाने पर अभियुक्तों द्वारा वादी की जीवित पुत्री के नाम से ही फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र तैयार कर प्रस्तुत कर दिया गया। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान अभियुक्ता शिखा सिंह द्वारा बताया गया कि उसकी सगी बहन तनु लंबे समय से बीमार थी तथा आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसका समुचित इलाज नहीं हो पा रहा था। उसकी परिचित जो स्वास्थ्य विभाग, बुलंदशहर में कार्यरत है, के द्वारा दानिश खान से संपर्क करा दिया गया। जिसने कम खर्च में इलाज कराने का आश्वासन दिया। दानिश के कहने पर अभियुक्ता एवं उसके भाई यश सिंह ने तनु को वादी की पुत्री के नाम से एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इसके लिए दानिश द्वारा व्हाट्सएप पर भेजे गए फर्जी ईसीएचएस कार्ड एवं आधार कार्ड का उपयोग किया गया।

उपचार के दौरान 5 अगस्त 2025 को तनु की मृत्यु हो गई, जिसके उपरांत शव भी उसी फर्जी नाम से प्राप्त किया गया। इस कार्य के एवज में दानिश खान को लगभग 65 हजार रुपए ऑनलाइन व शेष धनराशि नकद दी गई। उन्होंने बताया कि अभियुक्त दानिश खान द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वह अपने साथी प्रदीप पुत्र कुंवरपाल निवासी बुलंदशहर के साथ मिलकर पिछले लगभग 2 वर्षों से इस प्रकार की धोखाधड़ी कर रहा है। दोनों ऐसे लोगों को तलाशते हैं जो इलाज का खर्च बचाना चाहते हैं तथा उन्हें फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से अस्पताल में भर्ती कराकर क्लेम दिलवाते हैं और बदले में धनराशि प्राप्त करते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के प्रकरण में दोनों पूर्व में थाना फेस-2 नोएडा से जेल भी जा चुके हैं। जेल से छूटने के बाद पुनः इस कार्य में संलिप्त हो गए। अभियुक्त प्रदीप की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

शादी के बहाने युवती से दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र में रहने वाले युवक पर शादी का झांसा देकर गोरखपुर की युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गोरखपुर निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि एक मोबाइल ऐप के जरिये फरवरी में उसकी मुलाकात नोएडा के सेक्टर-70 में रहने वाले जयंत कुमार सिंह से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। आरोपी ने 16 फरवरी को उसे सेक्टर-70 स्थित जिम के कमरे में बुलाया और शादी का वादा कर उसके साथ दुष्कर्म किया। यही नहीं, आरोपी ने ब्लैकमेल करके उसके क्रेडिट कार्ड से दो बार में डेढ़ लाख रुपये का ऋण भी ले लिया। इसके अलावा 85 हजार रुपये बैंक खाते से निकलवा लिए। पीड़िता ने आरोपी से कई बार शादी करने को कहा तो उसने इनकार कर दिया। पीड़िता ने उससे रुपये वापस मांगे तो धमकी देने लगा। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस का कहना है कि आरोपी मूलरूप से गाजियाबाद का रहने वाला है। पूर्व में दोनों एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। फिलहाल, पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

जिले की पांच परियोजनाओं को यूपी रेरा की मंजूरी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) की मंगलवार को हुई 198वीं बैठक में 13 जिलों में 24 रियल एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें गौतमबुद्ध नगर जिले की सबसे अधिक पांच परियोजनाएं शामिल हैं। परियोजनाओं में फ्लैट, विला, भूखंड और दुकानें मिलाकर 7830 इकाइयों का निर्माण किया जाएगा।

यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि आवासीय, व्यावसायिक और मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। गौतमबुद्ध नगर निवेश, परियोजनाओं की संख्या और विकसित होने वाली इकाइयों के मामले में सबसे आगे है। यहां 5,218.41 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली तीन व्यावसायिक, एक आवासीय और एक मिश्रिम भू-उपयोग परियोजना को मंजूरी दी गई है।

इनमें फ्लैट, विला और दुकान मिलाकर 2,969 इकाइयां विकसित की जाएंगी। वहीं, राजधानी लखनऊ में चार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसमें 132.65 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 651 इकाइयां विकसित की जाएंगी। आगरा में तीन आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

जनपद गाजियाबाद में 83 करोड़ रुपये निवेश आएगा

गाजियाबाद में दो व्यावसायिक और एक आवासीय परियोजना को मंजूरी मिली है, जिनमें 83.85 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 468 इकाइयां विकसित होंगी। मथुरा, मेरठ, गोरखपुर, वाराणसी, बांदा, सहारनपुर, हापुड़ और बाराबंकी में मंजूर एक-एक आवासीय परियोजना में 6,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

नोएडा। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर द्वारा मंगलवार को गैस संकट, मनरेगा भुगतान में धांधली व बदायूं में सुधीर गुप्ता हत्याकांड के विरोध में सूरजपुर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय (कलेक्ट्रेट) पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुराग सारस्वत को सौंपा । इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि सरकार की गैर-जिम्मेदारी और बड़बोलेपन के कारण आज पूरे देश, उत्तर प्रदेश एवं जनपद गौतमबुद्ध नगर में रसोई गैस को लेकर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। आम जनता गैस सिलेंडर की किल्लत एवं लगातार बढ़ती कीमतों से त्रस्त है, जिससे गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों का जीवन-यापन अत्यंत कठिन हो गया है। वहीं दूसरी ओर, मनरेगा श्रमिकों के भुगतान को लेकर सरकार की उदासीनता साफ दिखाई दे रही है। श्रमिकों को अपनी मेहनत की मजदूरी के लिए महीनों इंतजार करना पड़ रहा है और उन्हें प्रशासनिक लालफीताशाही का

सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने इसे श्रमिकों के अधिकारों का खुला उल्लंघन बताते हुए तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान जनपद बदायूं स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। इस घटना में जनपद गौतमबुद्ध नगर निवासी एवं संस्थान के डिप्टी जनरल मैनेजर सुधीर गुप्ता की निर्मम हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस नेताओं ने इस जघन्य घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने, दोषियों की गिरफ्तारी एवं कठोरतम सजा की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि मनरेगा श्रमिकों के साथ हो रहा अन्याय बेहद निंदनीय है। मजदूर अपनी मेहनत की कमाई के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। गैस संकट और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस सड़कों पर बड़ा जन आंदोलन करेगी। प्रदर्शन में शामिल पूर्व विधायक हरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार पूरी तरह से जनविरोधी नीतियों पर चल रही है। रसोई गैस जैसी आवश्यक वस्तु को भी आम जनता की पहुंच से बाहर कर दिया गया है। यह सरकार सिर्फ घोषणाओं और प्रचार तक सीमित रह गई है, जमीनी स्तर पर जनता बेहाल है। धरना-प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक हरेंद्र अग्रवाल, जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, कॉर्डिनेटर आलोक गौड़, कॉर्डिनेटर नरेन्द्र चौहान, अजय चौधरी, मुकेश शर्मा, निशा शर्मा, रिजवान चौधरी, दुष्यंत नागर, अशोक पंडित, श्रुति कुमारी, बिन्नू नेता, धर्म सिंह जीनवाल, सतीश शर्मा, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, विजय नेता, धर्मवीर प्रधान, किशन शर्मा, आरके प्रथम, अब्दुल वाहिद, अमित कुमार सचिन मालिक, राकेश नंबरदार, एडवोकेट सचिन कटारिया, जय प्रकाश भाटी, हर्ष चौहान एडवोकेट, सोनू भाटी, जय, महेश यादव, दर्शन अवाना एडवोकेट, सौरभ भाटी, नितिन भाटी, आकाश नागर, सचिन भाटी सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

वेतन न मिलने पर निराला एस्टेट सोसाइटी के सुरक्षाकर्मियों ने की हड़ताल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित निराला एस्टेट सोसाइटी में सुरक्षा कर्मियों ने सोमवार को वेतन को लेकर हड़ताल की। उनका कहना है कि एजेंसी ने उन्हें वेतन नहीं दिया, इसके कारण उन्हें घर चलाने में मुश्किल आ रही है। सुरक्षाकर्मियों ने हड़ताल के दौरान एजेंसी और बिल्डर प्रबंधन के विरुद्ध नारेबाजी की। आरोप लगाया कि वेतन न मिलने के कारण वजह से बच्चों की फीस जमा नहीं हो पा रही है। घर का सामान लाने में परेशानी हो रही है। नवरात्रि आने के कारण खर्च भी बढ़ गए हैं। ऐसे में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, एजेंसी और बिल्डर प्रबंधन से आश्वासन मिलने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने हड़ताल समाप्त की। सोसाइटी में रहने वाले सौरभ, विशाल और अंकित ने बताया कि हर महीने समय से मेंटेनेंस शुल्क दिया जा रहा है। इसके बाद भी सुरक्षाकर्मियों को वेतन नहीं दिया जा रहा। इस तरह हड़ताल होने से लोगों की सुरक्षा खतरे में आ जाती है।

व्यापार प्रमाणपत्र निरस्त करने की मांग

नोएडा। किसान यूनियन और आटो यूनियन के पदाधिकारियों ने मंगलवार को सेक्टर-33 स्थित परिवहन विभाग कार्यालय में एआरटीओ प्रशासन नंदकुमार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने एक एजेंसी पर ऑटो की बिक्री पर अधिक रकम लेने और विरोध करने पर धमकाने का आरोप लगाया। ज्ञापन में एजेंसी का व्यापार प्रमाण पत्र निरस्त करने की मांग की। ऑटो यूनियन के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर ने चेतावनी दी कि इस मामले में कार्रवाई नहीं होने पर 24 मार्च को एआरटीओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

बुजुर्ग कारोबारी को डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ से अधिक ठगे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने सूरजपुर निवासी बुजुर्ग कारोबारी को 20 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर ली। पीड़ित ने 12 मार्च को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। सेक्टर-36 स्थित साइबर क्राइम थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर निवासी 72 वर्षीय दिलीप कुमार दास ने बताया कि छह फरवरी को उनके पास एक फोन कॉल आई। कॉलर ने खुद को सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उनके नाम पर एक सिम कार्ड जारी हुआ है, जिसका गैरकानूनी कामों में इस्तेमाल हो रहा है।

मामला गंभीर होने के कारण एजेंसियां जांच में जुटी हैं। कुछ ही देर बाद उसने वीडियो कॉल कर कोर्ट रूम जैसी सेटिंग दिखाई। एक व्यक्ति जज की तरह बैठा था और उसके पास एक अन्य व्यक्ति पुलिस अधिकारी की वर्दी में खड़ा था। उनको विश्वास दिलाया गया कि अगर वह जांच सहयोग

नहीं करेंगे तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ठगों ने उन पर लगातार दबाव बनाया और कहा कि उनके बैंक खातों की जांच होगी। जांच पूरी होने तक घर से बाहर नहीं जाना और फोन कॉल चालू रखना है।

इसके बाद ठगों ने उनसे कहा कि वह अपने खाते में जमा रुपये सत्यापन के लिए दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दें। जांच के बाद पूरी रकम वापस कर दी जाएगा।डर के कारण दिलीप कुमार ने अलग-अलग तारीखों में रुपये ट्रांसफर किए। 13 फरवरी को करीब 51.95 लाख रुपये, 19 फरवरी को 48.95 लाख रुपये, 21 फरवरी को 10.95 लाख रुपये, 25 फरवरी को 17.20 लाख रुपये और 26 फरवरी को 56 हजार 962 रुपये ट्रांसफर किए गए। इस तरह कुल एक करोड़ 29 लाख 61 हजार 962 रुपये ठगों के खातों में चले गए। कुछ दिन बाद ठगों ने पीड़ित को सुप्रीम कोर्ट और मुंबई पुलिस के नाम से फर्जी लेटर भी भेजे।

उन्होंने कहा कि उसे नो ड्यूज सर्टिफिकेट मिल गया है और रुपये जल्द वापस कर दिए जाएंगे। काफी समय बीतने के बाद भी रुपये वापस नहीं आए तो दिलीप कुमार को ठगी का पता चला। इसके बाद उन्होंने 12 मार्च को ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई और पुलिस से मदद मांगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और संबंधित बैंक खातों की जानकारी जुटाई जा रही है।

सोशल फाउंडेशन ने किया भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

गौतमबुद्धनगर। बादलपुर गांव में स्थित कु. मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय का सेमिनार हॉल 16 मार्च, 2026 को नारी शक्ति के विचारों से गूंज उठा। मौका था दिल्ली की सामाजिक संस्था 'सोशल फाउंडेशन' और महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भाषण प्रतियोगिता का।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हुई इस भाषण प्रतियोगिता का विषय 'डिजिटलीकरण और महिलाएं : सशक्तिकरण या असुरक्षा' पर महाविद्यालय के विभिन्न संकायों की छात्राओं ने बड़े ही उत्साह और तर्क के साथ अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसमें सभी ने एक स्वर में कहा कि महिलाओं को डिजिटलीकरण के इस दौर का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। इसके साथ ही खुद को सुरक्षित रखने पर भी ज़ोर दिया।सोशल फाउंडेशन और कु. मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ

द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटलीकरण तथा महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं से छात्राओं को अवगत कराना, महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता का प्रसार करना और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक मनाना था। कु. मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनीता रानी राठौर के संरक्षण और महिला प्रकोष्ठ प्रभारी प्रोफेसर डॉ. ममता सागर के नेतृत्व में आयोजित इस भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही बी.कॉम. तृतीय वर्ष की छात्रा चेतना शर्मा ने बड़े ही सधे हुए अंदाज में अपने विचार रखते हुए कहा कि ऑनलाइन दुनिया ने महिलाओं को सपने देखने और उन्हें सच करने का मंच प्रदान किया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये आज गांव की बेटियां अपने सपनों को पूरा कर रही हैं। इस मौके पर सोशल फाउंडेशन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने संबंधित विषय पर विचार रखने के लिए छात्राओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 15 मार्च, 1985 का दिन इंटरनेट के इतिहास का एक अहम दिन माना जाता है। इसी दिन दुनिया का पहला 'डॉट कॉम डोमेन' रजिस्टर हुआ, जिसने इंटरनेट की दुनिया में एक नई क्रांति की शुरुआत की। धर्मेन्द्र कुमार ने आगे बोलते हुए कहा कि वास्तव में आज का युग डिजिटलीकरण का है, जिसमें शिक्षा, रोजगार, व्यापार और स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से सुलभ हो रही हैं। हालांकि डिजिटल क्षेत्र में भाग लेने की इच्छुक महिलाओं के लिए अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं, जिनमें साक्षरता की कमी, इंटरनेट की सीमित पहुंच, साइबर सुरक्षा, खतरे और सामाजिक बाधाएं शामिल हैं।

कु. मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय की प्राचार्य अनीता रानी राठौर ने इस भाषण प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं को सोशल फाउंडेशन की तरफ से ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महिला प्रकोष्ठ की सदस्य प्रोफेसरों को भी भाषण प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'नारी उत्सव' कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्तव्य, निस्वार्थ समर्पण और सेवा के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त करने वाली सम्पूर्ण नारी शक्ति को वह नमन करती हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और देश को 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर कर रही हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने निर्मल छाया परिसर का दौरा कर विभिन्न योजनाओं, सेवाओं और सुविधाओं का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की अनेक पहलों का शुभारंभ एवं अवलोकन किया और महिलाओं तथा बच्चों के समग्र सशक्तिकरण के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति आज ग्रामीण उद्योगों से लेकर कॉर्पोरेट जगत, राजनीति से लेकर सेना तक हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही है। इसी दृष्टि के अनुरूप दिल्ली सरकार भी महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तीकरण के तीन प्रमुख स्तंभों सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरतापर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर बेटी और बहन को सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, किसी भी परिस्थिति में उसके सम्मान को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए, और हर महिला को अपने पैरों पर खड़े होकर आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि आगामी 24 मार्च को पेश होने वाले दिल्ली सरकार के बजट में महिलाओं और बेटियों के लिए महत्वपूर्ण पहलें शामिल होंगी। उन्होंने विशेष रूप से सेल्फ हेल्प ग्रुप्स (एसएचजी) को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि दिल्ली में महिलाओं को छोटे-छोटे समूहों के माध्यम से रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने महिला हाट जैसे प्लेटफॉर्म विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जिससे महिलाओं को अपने उत्पादों और कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें प्रभावी ढंग से लागू कर प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाना है। उन्होंने समाज के प्रति साझा जिम्मेदारी पर बल देते हुए कहा कि उपलब्ध संसाधनों का लाभ समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, ताकि कोई भी भूखा, बेरोजगार या उपेक्षित न रहे। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने निर्मल छाया कॉम्प्लेक्स का विस्तृत निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने आफ्टर केयर होम फॉर वुमन, बालिका गृह और बाल निकेतन का दौरा कर यह सुनिश्चित किया कि वहां रहने वाली महिलाओं और बच्चों को उच्च गुणवत्ता की देखभाल, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही है। साथ ही उन्होंने बच्चों से संवाद कर उन्हें बैग एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। उन्होंने सुरक्षा, पोषण एवं देखभाल से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संकल्प हब का निरीक्षण किया, जहां मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। साथ ही उन्होंने सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा संचालित 'महिला हाट' का अवलोकन किया, जहां स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के साथ 'श्री अन्न (मिलेट्स)' पर आधारित पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने डब्ल्यूसीडी-डीएसईयू के तहत प्रशिक्षित महिलाओं से संवाद किया और आज से 10 स्थानों पर शुरू हुई एसएचजी द्वारा संचालित कैंटीनों की सराहना करते हुए इसे महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला एक सशक्त मॉडल बताया।

मुख्यमंत्री ने समर्थ आंगनवाड़ी का निरीक्षण किया, जिसमें बहुआयामी गतिविधियों, इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन और स्वास्थ्य एवं वेलनेस सेवाओं का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने महिलाओं के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच, वेलनेस परामर्श और मेंस्ट्रुअल हाइजीन से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'गिव टू गेन' पहल के तहत सरकारी और निजी संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने की बात कही। इस पहल के जरिए आंगनवाड़ी केंद्रों और बाल देखभाल संस्थानों को और मजबूत बनाया जाएगा। इसके तहत सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी, केंद्रों के ढांचे को बेहतर किया जाएगा, मोबाइल हेल्थ सेवाएं बढ़ाई जाएंगी और बच्चों व महिलाओं के लिए नए कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। साथ ही महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों के लिए रोजगार के नए मौके भी बनाए जाएंगे।

रुप नगर हादसे पर मुआवजे की मांग

देवेंद्र यादव ने सरकार पर साधा निशाना

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रुप नगर नाले पर लोहे का पुल टूटने से एक महिला की मौत पर गहरी चिंता जताते हुए दिल्ली सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे के लिए सीधे तौर पर भाजपा सरकार जिम्मेदार है और मृत महिला के परिजनों को 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

यादव ने कहा कि राजधानी में आए दिन हो रहे हादसों में लोगों की जान जा रही है और यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में नालों में गिरने, सड़कों के गड्ढों में फंसने और जलभराव जैसी घटनाओं में मौतें अब आम हो चुकी हैं, जिससे दिल्ली धीरे-धीरे असुरक्षित शहर बनती जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में नालों और सड़कों पर गड्ढों के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है। सड़कों की हालत इतनी खराब है कि यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां, जिसके चलते लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने 5 फरवरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए गड्ढे में गिरकर 25 वर्षीय कमल ध्यानी की मौत हो गई थी, लेकिन इस मामले में किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। देवेंद्र यादव ने कहा कि राजधानी में कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि होली जैसे त्योहार पर भी झगड़ों के चलते हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार ठोस कार्रवाई करने के बजाय केवल औपचारिकता निभा रही है। उन्होंने मांग की कि जर्जर पुलों, इमारतों और अन्य संरचनाओं की तत्काल प्रशासनिक जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

नाले पर बना फुटओवर ब्रिज टूटा, महिला की मौत

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के रूप नगर इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब नाले के ऊपर बना फुटओवर ब्रिज अचानक भरभराकर गिर पड़ा। इस हादसे में एक महिला नाले में जा गिरी, जिसकी बाद में मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह करीब 11 बजे की है। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

संक्षिप्त खबरें

सात वर्षीय बच्ची के साथ गलत हरकत करने वाला आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले के छावला इलाके में सात वर्षीय बच्ची के साथ पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति ने गलत हरकतें की। पीड़िता की मां ने 17 मार्च को मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर आरोपित पड़ोसी को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक सात वर्षीय बच्ची परिवार के साथ छावला में रहती है। पुलिस के मुताबिक बच्ची की मां ने अपनी शिकायत में बताया कि बच्ची 15 मार्च को घर के पास ही खेल रही थी तभी पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति बच्चों को अपने कमरे में ले गया। जहां उसने बच्ची के साथ गलत हरकतेंकी। किसी को बताने पर बच्ची को मारने की धमकी दी। देर रात बच्ची की तबीयत खराब हुई। पूछताछ करने पर बच्ची ने पूरी आपबीती मां को बताई। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह के अनुसार बच्ची की मां के बयान पर पुलिस ने संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपित को पकड़ लिया है।

सुल्तानपुरी में चाकू मारकर युवक की हत्या

नई दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में चाकू मारकर एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लिया है, जबकि दो नाबालिग आरोपित अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल से सूचना मिली कि सुल्तानपुरी निवासी राजिंदर (40) को गंभीर हालत में चाकू लगने के बाद भर्ती कराया गया है। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। इस संबंध में सुल्तानपुरी थाने में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने दो आरोपितों को हिरासत में लिया है। इनमें रतन विहार निवासी राज (23) शामिल है, जो खुद भी घायल है और सफदरजंग अस्पताल में उपचाराधीन है। दूसरा आरोपित करण (23) है, जो सुल्तानपुरी इलाके का रहने वाला है। पुलिस का कहना है कि वारदात में दो नाबालिग भी शामिल हैं, जो घटना के बाद से फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश को हत्या की वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस ने एहतियातन गश्त बढ़ा दी है।

सफाई कर्मचारियों का आज सिविक सेंटर पर धरना

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में आज निगम मुख्यालय सिविक सेंटर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। यह प्रदर्शन समस्त यूनियन कोर कमेटी के बैनर तले आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों के शामिल होने की संभावना है। आप विधायक एवं अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सिंह धिंगान ने कहा कि भाजपा सरकार के अधीन दिल्ली नगर निगम में सफाई कर्मचारियों के साथ शोषण और अत्याचार हो रहा है। उन्होंने निगम प्रशासन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि हाल ही में महापौर और डेम्स के चेयरमैन द्वारा ठेकेदारी प्रथा लागू न करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद ठेके पर सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति शुरू कर दी गई है।

युवा देश के भविष्य का निर्माता : शिक्षा मंत्री सूद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित 'विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम' में भाग लेते हुए युवाओं को देश के भविष्य का निर्माता बताया। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

सूद ने कहा कि यह कोई सामान्य औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि देश के भविष्य को आकार देने वाली ऊर्जा का केंद्र है। जहां से एक नई क्रांति का सूत्रपात होगा। उन्होंने उपस्थित छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि वे केवल इस इंस्टीट्यूट के विद्यार्थी नहीं, बल्कि विकसित भारत के वास्तुकार और शिल्पकार हैं, जो वर्ष @2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सूद ने 'वंदे मातरम्' के 150 वर्षों की ऐतिहासिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र जागरण का मंत्र है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में नई चेतना का संचार किया। 150 साल पहले अंग्रेजी शासन में जहां देश की स्वतंत्रता के परवाने इस गीत को गाकर शहीद हो गए वैसा ही जज्बा आज के युवाओं को विकसित भारत@2047 बनाने के लिए दिखाना होगा। शिक्षा मंत्री ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं ने अग्रणी भूमिका निभाई थी और आज पुनः इतिहास उन्हें पुकार रहा है। इस बार लक्ष्य स्वतंत्रता नहीं, बल्कि एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण है।

NDMC के उपाध्यक्ष चहल ने 'विकसित भारत' विजन के तहत विकास कार्यों का किया शिलान्यास

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मंगलवार को चाणक्यपुरी स्थित विनय मार्ग क्षेत्र में 24 घंटे निरंतर स्वच्छ जल आपूर्ति परियोजना के प्रथम चरण के साथ भैरों मंदिर, नेहरू पार्क में सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

विनय मार्ग क्षेत्र में 24 घंटे जल आपूर्ति परियोजना पर कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर जल योजना के अंतर्गत प्रत्येक घर तक सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मौजूदा जल आपूर्ति प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए एनडीएमसी द्वारा विनय मार्ग जल बूस्टिंग स्टेशन के अंतर्गत 24 घंटे जल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु इस पायलट परियोजना को लागू किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए एक परामर्शदाता सिफारिशों के आधार इस परियोजना को तैयार किया गया।

उन्होंने कहा कि एनडीएमसी की जिम्मेदारी नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की आधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है। चहल ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत विनय मार्ग बूस्टिंग स्टेशन पर आधुनिक वीएफडी आधारित मोटर पंप सेट लगाए जाएंगे तथा जल आपूर्ति को बेहतर और निर्बाध बनाए रखने के लिए आवश्यक उपकरण स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण, ऑटोमेशन प्रणाली, डेटा विश्लेषण व्यवस्था तथा एससीएडीए प्रणाली का समावेश किया जाएगा, जिससे जल आपूर्ति की निगरानी अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बन सके। उन्होंने कहा कि जल पाइपलाइन नेटवर्क में आवश्यक विद्युत एवं यांत्रिक सुधार कार्य भी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए 1.38 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है तथा इसे लगभग पांच माह की अवधि में पूर्ण किया जाएगा। विनय मार्ग क्षेत्र के लगभग 550 जल कनेक्शन इस परियोजना से लाभान्वित होंगे।

चहल ने आगे बताया कि एनडीएमसी द्वारा पूरे क्षेत्र में 24 घंटे जल आपूर्ति व्यवस्था लागू करने के लिए अध्ययन एवं डिजाइन तैयार करने हेतु परामर्शदाता की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। अगले एक माह में परामर्शदाता नियुक्त कर विस्तृत अध्ययन कराया जाएगा, जिसके आधार पर आगे की व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जल हानि को कम करना, जल आपूर्ति प्रणाली को पूर्णतः स्वचालित बनाना तथा संबंधित क्षेत्र में 24 घंटे निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

दिल्ली में दो दिवसीय 'पॉलिटिकल साइंस कॉन्क्लेव 2026' का सफल आयोजन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पॉलिटिकल साइंस सोसाइटी की ओर से दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में दो दिवसीय 'पॉलिटिकल साइंस कॉन्क्लेव 2026' का सफल आयोजन किया गया। इसमें देशभर के 300 से अधिक विद्वानों, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों ने समकालीन भारत में राजनीति, शासन और सार्वजनिक नीति को आकार देने वाले गंभीर विषयों पर मंथन किया।

इस सम्मेलन का शुभारंभ केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने किया। उन्होंने राजनीति विज्ञान को एक 'गतिशील अनुशासन' बताते हुए कहा कि यह न केवल शासन बल्कि कूटनीति और सार्वजनिक नीति को भी दिशा प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष राम माधव ने अपने संबोधन में राजनीतिक सिद्धांत में भारतीय सभ्यतागत विचारों के साथ गहन जुड़ाव की आवश्यकता पर बल दिया तथा विद्वानों से औपनिवेशिक ढांचों से आगे बढ़ने का आग्रह किया। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने स्वतंत्रता के बाद की नीति-निर्माण प्रक्रिया में औपनिवेशिक धारणाओं के निरंतर प्रभाव पर प्रकाश डाला। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. संजीव चोपड़ा ने राजनीतिक सिद्धांत को व्यवहार से सीखने की आवश्यकता पर बल दिया और शांति पर्व जैसी भारतीय परंपराओं तथा भारत में विकेंद्रीकरण सुधारों के अनुभवों का उल्लेख किया।

इसके अलावा सत्रों में डॉ. निरंजन साहू (ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन), प्रो. अश्विनी महाजन, प्रो. अशोक आचार्य, प्रो. पम्पा मुखर्जी, प्रो. हरिहर भट्टाचार्य और प्रो. आशुतोष कुमार सहित कई विद्वानों ने अपने विचार साझा किए। इसके साथ ही हांस साइडल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों और प्रसिद्ध शिक्षिका शुभ्रा रंजन ने भी सहभागिता की। इस सत्र की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष प्रो एमपी सिंह ने की। दो दिनों तक (12-13 मार्च) चले विभिन्न सत्रों में कई ज्वलंत विषयों पर चर्चा हुई। इनमें डिकॉलोनाइजिंग पॉलिटिकल साइंस, प्रौद्योगिकी और लोकतंत्र, संघवाद और शासन शामिल हैं। समापन सत्र की अध्यक्षता हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने की।

इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने कॉन्क्लेव को "राजनीतिक विज्ञान का अर्ध कुंभ" की संज्ञा दी और शैक्षणिक विमर्श में भारतीय बौद्धिक परंपराओं को अधिक स्थान देने का आह्वान किया। वहीं, जाजपुर के सांसद आर एन बेहरा ने संसदीय कार्यों में तकनीक की भूमिका पर चर्चा की। सम्मेलन के शैक्षणिक खंड में 12 समानांतर सत्र आयोजित किए गए। इनमें देशभर से आए शोधकर्ताओं ने 150 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए।

इस आयोजन में इंडिया फाउंडेशन, ऋषिहुड विश्वविद्यालय, मिरांडा हाउस और हिंदू कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का विशेष सहयोग रहा। सम्मेलन का संयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. रेखा सक्सेना द्वारा किया गया जबकि डीयू की सहायक प्रोफेसर डॉ. स्वदेश सिंह ने सह-संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमेज़न गोदाम कर्मियों पर महंगाई की मार रसोई गैस संकट से बढ़ी भूख की समस्या

नई दिल्ली। अमेज़न इंडिया वर्कर्स यूनियन (एआईडब्ल्यूयू) ने देशभर में अमेज़न के गोदामों में कार्यरत श्रमिकों की बिगड़ती स्थिति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

यूनियन का कहना है कि रसोई गैस की कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी, स्थिर वेतन और आवश्यक सुविधाओं की कमी के कारण श्रमिकों के सामने भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी करना भी कठिन होता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, अधिकांश गोदाम कर्मी प्रवासी हैं और किराए के मकानों में रहते हैं, जहां उनके पास स्थायी पते का प्रमाण नहीं होता।

उत्तर रेलवे

ई-खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 10.04.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	वरिष्ठ सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-II के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/सरदार पटेल मार्ग के कार्य क्षेत्र मे सरदार पटेल रोड रेलवे कॉलोनी में खाली अधिकारियों के बंगलों और टाइप-VI, VII फ्लैटों में सुधार कार्य हेतु।	रुपये 19899991.56	रुपये 398000.00	08 महीने

निविदा दिनांक 10.04.2026 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।
पत्र सं. 128-डब्लयू/269/खुली निविदा सूचना/टेंडर नं 36
दिनांक : 17.03.2026 897/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र – I

वरि० मंडल विद्युत अभियंता / कोचिंग कार्यालय द्वारा जारी निविदा जो कि निम्नलिखित कार्य के लिए थी, जो कि दिनांक 07.04.2026 को 15:01 बजे खोली जानी थी, टेंडर दस्तावेजों में कुछ जोड़ने या हटाने के कारण, फर्म को रेलवे की वेबसाइट से टेंडर दस्तावेज़ डाउनलोड करने होंगे। अन्य सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी।

निविदा संख्या	30-विद्युत-10टी-कोचिंग- 2025- 26
कार्य का विवरण	दिल्ली मंडल के हजरत निजामुद्दीन डिपो के तहत, प्राइमरी-बेस्ड शताब्दी/तेजस/शताब्दी-टाइप/राजधानी/दुरंतो/गतिमान/AC/एक्सप्रेस ट्रेनों में, वॉशिंग लाइन/सिक लाइन पर रखरखाव कार्यों के दौरान और ऑन-बोर्ड इलेक्ट्रिकल एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के दौरान, AC कोचों के ताजी हवा और रिटर्न एयर फिल्टर, AC ग्रिल और कूलिंग/कंडेंसर कॉइल की सफाई का कार्य तीन साल की अवधि के लिए।

अनुमानित लागत (रू०)	बयाना राशि (रू०)	कार्य समापन की अवधि
12,18,74,697.01	7,59,400/-	36 महीने

संख्या: 30-विद्युत-10टी-कोचिंग-2025-26 दिनांक:17.03.2026 911/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

पाकिस्तान दिखा रहा अपनी बौखलाहट

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। दोनों ओर से एक दूसरे पर हमले किए जा रहे हैं और गोलीबारी जारी है। इसी बीच रविवार को पाकिस्तानी सेना ने दक्षिणी अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में तालिबान के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। इसके बाद काबुल के एक अस्पताल पर हमला कर लगभग चार सौ लोगों की जान ले ली। इस नरसंहार को पाक ऑपरेशन बता रहा है। पाक सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इन हमलों में कंधार में तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा से जुड़ी तकनीकी सहायता अवसंरचना और उपकरण भंडारण सुविधा को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। जबकि काबुल के अस्पताल पर हमले की भारत ने निंदा करते हुए इस कृत्य को बर्बर, कायरना और अमानवीय हिंसा बताया है। भारत ने कहा है कि अस्पताल पर हमला किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई नहीं हो सकती। पाकिस्तान नरसंहार को ऑपरेशन बताने की कोशिश कर रहा है। पाक ने सोमवार की रात अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक की है। पाकिस्तानी एयर फोर्स के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक हॉस्पिटल भी है। जिसमें 4 सौ लोगों की मौत हो गई, वहीं 250 से ज्यादा घायल हैं। काबुल के ओमिद अस्पताल पर हुए इस हमले की भारत ने कड़ी निंदा की है। भारत ने पाकिस्तान के इस कृत्य को अमानवीय हिंसा करार दिया है। भारत ने इसे कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य बताते हुए कहा कि यह किसी भी तरह सैन्य कार्रवाई नहीं हो सकती। भारत ने इस कार्रवाई को निहत्थे नागरिकों पर अमानवीय और कायरतापूर्ण हमला बताया। पाकिस्तान पर आरोप लगाते हुए भारत ने कहा कि यह अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला बताते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। भारत ने इस हमले को क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया। साथ ही आरोप लगाया कि पाकिस्तान बार-बार अपनी आंतरिक विफलताओं को छिपाने के लिए सीमा पार हिंसा का सहारा लेता रहा है। भारत ने कहा, पाकिस्तान द्वारा यह हमले रमजान जैसे पवित्र महीने में किए जा रहे हैं। रमजान के महीने में अस्पताल और मरीजों को निशाना बनाना और भी निंदनीय है। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया कि कोई धर्म, कोई कानून और कोई नैतिकता किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित नहीं ठहरा सकती।

बेगुनाह मासूम स्कूली बच्चियों के खून का कौन जिम्मेदार ?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआइ ने जीवन के अनेक क्षेत्रों में काम को काफी आसान बना कर अच्छा अनुभव दिया है। मैडिकल, लीगल और एजुकेशन जैसे सैक्टर्स में डाटा संग्रहण और त्वरित गणना की सुविधा से कई अच्छे कार्य हो रहे हैं लेकिन इसी बीच ईरान युद्ध के दौरान अमरीका द्वारा किए गए ए. आई. के इस्तेमाल और इस निशाने में हुई चूक के कारण हुई स्कूली बच्चियों की मौत ने दुनिया में दहशत की इबारत लिख ममदी है। शुरुआती जांच में माना गया है कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था, बल्कि खुफिया जानकारी और टार्गेटिंग सिस्टम में हुई चूक के कारण यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद अमेरिकी सैन्य तंत्र के अंदर भी टार्गेटिंग प्रक्रिया और डेटा की सटीकता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वहीं इस हमले को लेकर जो खुलासा सामने आ रहा है उसमे गंभीर चूक का अनुमान है पुरानी इंटेलिजेंस की वजह से शायद अमेरिका ने ईरान के एक एलिमेंट्री स्कूल पर जानलेवा मिसाइल हमला किया, जिसमें लड़ाई के शुरुआती घंटों में 165 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर बच्चे थे। स्कूल पर बमबारी और उसमें बच्चों की मौत युद्ध का मुख्य मुद्दा बन गई है। अगर यह कन्फर्म हो जाता है कि यह यूएस के हाथों हुआ था, तो यह पिछले दो दशकों में अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन की वजह से हुई सबसे ज्यादा आम लोगों की मौत की घटनाओं में से एक होगी।

-मनोज कुमार अग्रवाल-

ईरान में एक स्कूल में 165 बच्चियां क्लास पढ़ाई के लिए मौजूद थी लेकिन उन्हे इस बात का गुमान नही रहा होगा कि प्रभुत्व की सनक में दुनिया के कथित ताकतवर देश की अंधी मिसाइल उनके जीवन का खात्मा कर देंगी। स्कूल पर हुए मिसाइल हमले को लेकर अब पेंटागन की शुरुआती जांच रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में संकेत मिले हैं कि 28 फरवरी को ईरान के मिनाब शहर में स्थित शजराह तैय्यबेह स्कूल पर हुआ हमला दरअसल अमेरिकी सेना की एक गंभीर गलती का नतीजा था। जांच के मुताबिक अमेरिकी सेना उस इलाके में एक ईरानी नौसैनिक ठिकाने को निशाना बना रही थी। लेकिन टार्गेट तय करते समय पुराने और गलत टार्गेटिंग डेटा का इस्तेमाल किया गया। इसी वजह से दागी गई टॉमहॉक क्रूज मिसाइल अपने असली लक्ष्य से भटक गई और सीधे स्कूल की इमारत से जा टकराई।

माना जाता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआइ ने जीवन के अनेक क्षेत्रों में काम को काफी आसान बना कर अच्छा अनुभव दिया है। मैडिकल, लीगल और एजुकेशन जैसे सैक्टर्स में डाटा संग्रहण और त्वरित गणना की सुविधा से कई अच्छे कार्य हो रहे हैं लेकिन इसी बीच ईरान युद्ध के दौरान अमरीका द्वारा किए गए ए. आई. के इस्तेमाल और इस निशाने में हुई चूक के कारण हुई स्कूली बच्चियों की मौत ने दुनिया में दहशत की इबारत लिख ममदी है। शुरुआती जांच में माना गया है कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था, बल्कि खुफिया जानकारी और टार्गेटिंग सिस्टम में हुई चूक के कारण यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद अमेरिकी सैन्य तंत्र के अंदर भी टार्गेटिंग प्रक्रिया और डेटा की सटीकता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वहीं इस हमले को लेकर जो खुलासा सामने आ रहा है उसमे गंभीर चूक का अनुमान है पुरानी इंटेलिजेंस की वजह से शायद अमेरिका ने ईरान के एक एलिमेंट्री स्कूल पर जानलेवा मिसाइल हमला किया, जिसमें लड़ाई के शुरुआती घंटों में 165 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर बच्चे थे। स्कूल पर बमबारी और उसमें बच्चों की मौत युद्ध का मुख्य मुद्दा बन गई है। अगर यह कन्फर्म हो जाता है कि यह यूएस के हाथों हुआ था, तो यह पिछले दो दशकों में अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन की वजह से हुई सबसे ज्यादा आम लोगों की मौत की घटनाओं में से एक होगी। दरअसल अग्रणी ए.आई. कंपनी एंथ्रोपिक ने इस साल जनवरी ही में पेंटागन के उस अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया, जिसके तहत अमरीकी सेना को सभी वैध उद्देश्यों के लिए उसकी तकनीक तक असीमित पहुंच मिल जाती। अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए, एंथ्रोपिक के सी.ई.ओ. डारियो अमोदेई ने 2 स्पष्ट शर्तें रखीं- अमरीकियों की बड़े पैमाने पर जासूसी नहीं की जाएगी और मानवीय निगरानी के बिना पूरी तरह से स्वायत्त हथियारों का इस्तेमाल युद्ध में नहीं किया जाएगा। इस निर्णय से एंथ्रोपिक को भारी नुकसान हुआ, परन्तु प्रतिद्वंद्वी कंपनी ने तुरंत पेंटागन के साथ मानव नियंत्रण के बिना पूर्ण ए.आई. नियंत्रण के लिए समझौता कर लिया। इस समझौते के बाद अमरीका और इसराईल ने ईरान के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू कर दिया। युद्ध के पहले ही दिन 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके 10 टॉप कमांडरों की हत्या उनके परिसर में कर दी गई, जिसे दोनों देशों ने ए.आई. पर्शियन हमले की एक बड़ी जीत माना।लेकिन उसी दिन, 28 फरवरी को, एक और घातक हमला मीनाब में स्थित शजराह तैयबा गर्ल्स स्कूल पर भी किया गया। 2 मिसाइलों ने 45 सैकेंड में स्कूल को नष्ट कर दिया था। मीनाब में जो हुआ, वह ए.आई. के अंधाधुंध उपयोग का सबसे भयावह उदाहरण है।

यह एक अक्षम्य पाप है जब शजराह तैयबा गर्ल्स प्राइमरी स्कूल, जिसमें 165 से अधिक मासूम बच्चियां मौत से लड़ती, चीखती-चिल्लाती रहीं, तकनीकी भाषा में इसे सटीक हमला कहा गया। जबकि ट्रम्प यह दावा कर रहे हैं कि लड़कियों के स्कूल पर ईरान ने टोमहॉक मिसाइल से हमला किया था, जबकि सभी जानते हैं कि ईरान के पास यह मिसाइल नहीं है, यहां तक कि इसराईल के पास भी नहीं है, इसलिए उनके द्वारा सोशल मीडिया पर फैलाए गए झूठ से सच को छिपाने का काम किया जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुरू में हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया, बाद में कहा कि उन्हें पक्का नहीं पता कि कौन दोषी है, और फिर कहा कि वह पेंटागन की जांच के नतीजों को मान लेंगे। यह हाल ही में यह मामला और ज्यादा पेचीदा हो गयी जब न्यूयॉर्क टाइम्स ने पहली बार रिपोर्ट किया कि शुरुआती जांच में पाया गया कि यूएस जिम्मेदार है। शुरुआती नतीजों के बाद पेंटागन से तुरंत और जानकारी मांगी गई। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि जांच अभी भी चल रही है। 28 फरवरी को शजारेह तैयबेह एलिमेंट्री स्कूल पर हुआ हमला, जो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के पास के बेस के पास है। हमले के लिए अमेरिका की जिम्मेदारी की ओर इशारा करते हुए सबूत बढ़ रहे हैं। ऐसे कई संकेत हैं जिससे पता चलता है कि स्कूल पर हमला टाला जा सकता था। ये हमले 28 फरवरी की सुबह हुए थे। तब स्कूल की बिल्डिंग छोटे बच्चों से भरी हुई थी। न्यूज रिपोर्ट से पता चलता है कि स्क और उसी दिन हमले वाले दूसरे टारगेट, हवा से दिखने वाली ऐसी खासियतें थीं जिनसे हमले से पहले उन्हें सिविलियन साइट के तौर पर पहचाना जा सकता था। इस हमले के वीडियो में एक्सपर्ट्स ने अमेरिका में बनी टॉमहॉक क्रूज मिसाइल को मिलिट्री कंपाउंड में टकराते हुए देखा जा सकता है। जबकि उस इलाके से पहले से ही धुआं उठ रहा था जहां स्कूल था।

पब्लिक में मौजूद सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि स्कूल बिल्डिंग लगभग 2017 तक मिलिट्री कंपाउंड का हिस्सा थी, जब दोनों को अलग करने के लिए एक नई दीवार बनाई गई। प्रॉपर्टी पर एक वॉचटावर भी हटा दिया गया था। उसी समय की तस्वीरों से पता चलता है कि बिल्डिंग के चारों ओर की दीवारों पर चमकीले रंगों, खासकर नीले और गुलाबी रंग के म्यूरल बनाए गए थे। ये इतने चमकीले थे कि वे स्पेस से भी दिखाई देते हैं। स्कूल को ऑनलाइन मैप पर साफ तौर पर लेबल किया गया था और इसकी एक आसानी से मिलने वाली वेबसाइट है जिसमें स्टूडेंट्स, टीचर्स और एडमिनिस्ट्रेटर्स के बारे में जानकारी भरी हुई है। युद्ध को कंट्रोल करने वाला इंटरनेशनल कानून उन स्ट्रक्चर्स, गाड़ियों और लोगों पर हमले करने से रोकता है जो मिलिट्री के निशाने और लड़ाके नहीं हैं। आम लोगों के घर, स्कूल, मेडिकल और सामाजिक जगहें आम तौर पर मिलिट्री हमलों के लिए बंद रहती हैं। बताया जा रहा है कि यह सारा मामला एआइ की चूक से हुआ है दरअसल 10 साल पहले इस क्षेत्र पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आई.आर.जी.सी.) ईरानी सशस्त्र बलों का एक सैन्य परिसर था।लेकिन डाटाबेस अपडेट न होने के कारण ए.आई. को यह मालूम नहीं पड़ा कि अब उसी स्थान पर बाईं ओर एक अस्पताल और दाईं तरफ एक अलग प्रवेश द्वार वाला स्कूल मौजूद है।

ए.आई. एल्गोरिद्म यह भी समझने में नाकाम रहा कि 7 से 12 साल की बच्चियां दुश्मन नहीं होतीं। एक मशीन के लिए वे केवल कोलेटरल डैमेज थीं। यह घटना साबित करती है कि जब हम युद्ध का पूर्ण नियंत्रण ए. आई. को देते हैं, तो हम युद्ध के मैदान से दया और विवेक को पूरी तरह से खत्म कर देते हैं।ए.आई. आधारित व्यापक निगरानी हमारी मौलिक स्वतंत्रताओं के लिए गंभीर और नए प्रकार के खतरे पैदा कर सकती है। किंग्स कॉलेज लंदन की रिसर्च ने पहले ही चेतावनी दे दी है कि उन्नत ए. आई. मॉडल्स युद्ध की स्थिति में 95 प्रतिशत बार परमाणु विकल्प या अत्यधिक आक्रामकता को चुनते हैं। मशीनों के लिए जीत ही एकमात्र लक्ष्य है, चाहे उसकी कीमत पूरी दुनिया का विनाश ही क्यों न हो। अगर हम आज ए.आई. को रक्षा क्षेत्र और समाज में खुली छूट देते हैं, तो हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां युद्ध का फैसला जनरल नहीं, बल्कि एक कोडिंग प्रोग्राम करेगा।

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में पुनर्चक्रण की भूमिका

-सुनील कुमार महला-

प्रतिवर्ष 18 मार्च को विश्वभर में वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस (ग्लोबल रीसाइक्लिंग डे) मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के महत्व के बारे में जागरूक करना है। वास्तव में पुनर्चक्रण हमारे ग्रह और मानवता के भविष्य को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हर वर्ष पृथ्वी अरबों टन प्राकृतिक संसाधनों का उत्पादन करती है, लेकिन एक समय ऐसा भी आएगा जब ये संसाधन या तो समाप्त हो जाएंगे या बहुत कम मात्रा में उपलब्ध रह जाएंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि हम इस बात पर गंभीरता से विचार करें कि हम क्या फेंक रहे हैं और कैसे फेंक रहे हैं। हमें कचरे को केवल बेकार वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक संभावित संसाधन और अवसर के रूप में देखना चाहिए।

बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि पिछला दशक(वर्ष 2015 से 2024 तक) अब तक का सबसे गर्म दशक रहा है और आज पूरी दुनिया अभूतपूर्व जलवायु आपातकाल का सामना कर रही है।वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष माना गया है, जबकि उससे पहले 2023 ने भी तापमान के नए रिकॉर्ड बनाए थे। इसके अतिरिक्त 2016, 2020 और 2019 भी अत्यधिक गर्म वर्षों में शामिल हैं। वास्तव में इस बढ़ती गर्मी का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और मानवीय गतिविधियाँ मानी जाती हैं, जिसके कारण दुनिया भर में हीटवेव और तापमान के नए रिकॉर्ड देखने को मिल रहे हैं। हाल फिलहाल,यदि हम समय रहते महत्वपूर्ण और त्वरित परिवर्तन नहीं करते, तो वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि, हिमनदों और बर्फ की चोटियों का तेजी से पिघलना, महाद्वीपों में आग लगना, तेजी से वनों की कटाई, बाढ़, भूकंप जैसी आपदाओं की घटनाएँ बढ़ती जाएँगी। इन परिस्थितियों का सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी बढ़ती है, विस्थापित समुदायों का पलायन होता है, नौकरियों में कमी आती है, कचरे के विशाल ढेर लगते हैं और प्राकृतिक आवास नष्ट होते जाते हैं। ऐसे में पुनर्चक्रण(रि-साइक्लिंग) एक प्रभावी समाधान के रूप में सामने आता है।

वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस की स्थापना ग्लोबल रीसाइक्लिंग फाउंडेशन द्वारा की गई थी और इसे पहली बार 18 मार्च 2018 को मनाया गया था। हर वर्ष इस दिवस के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम थी- बाधाओं को तोड़ना: कचरा प्रबंधन संकट के लिए एक क्रांतिकारी खाका। जबकि वर्ष 2026 की थीम है-पुनर्चक्रण के नायक: नवाचार और कार्रवाई" (रि-साइक्लिंग हीरोज: इनोवेशन एंड एक्शन । वास्तव में, इस थीम का आशय यह है कि जो लोग(जैसे वैज्ञानिक, संगठन या पर्यावरण कार्यकर्ता) और जो संस्थाएँ तथा नई तकनीकें कचरे को दोबारा उपयोगी संसाधन में बदलने के लिए नए-नए तरीके (नवाचार) खोज रही हैं और जमीन पर ठोस कार्य (कार्रवाई) कर रही हैं, उनका सम्मान किया जाए। आज जब विश्व में पर्यावरण प्रदूषण और संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं, तब कचरे को पुनः उपयोग में लाने की प्रक्रिया हमारे नीले ग्रह अर्थात पृथ्वी को सुरक्षित रखने में अत्यंत सहायक सिद्ध होती है।

वास्तव में यह दिवस हमंर यह सिखाता है कि जल, वायु, तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और खनिज जैसे प्रकृति के संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करना हमारा कर्तव्य है। यदि हम सरल शब्दों में समझें तो पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) का अर्थ है-किसी उपयोग की हुई या बेकार वस्तु को पुनः संसाधित करके उसे दोबारा उपयोग के योग्य बनाना। अर्थात जिन वस्तुओं को हम उपयोग के बाद अक्सर कचरे के रूप में फेंक देते हैं, जैसे कागज़, प्लास्टिक, काँच, धातु या अन्य सामग्री, उन्हें विशेष प्रक्रियाओं के माध्यम से फिर से नई वस्तुओं में बदल देना ही पुनर्चक्रण कहलाता है। संक्षेप में कहा जाए तो री-साइक्लिंग वह प्रक्रिया है जिसमें बेकार या इस्तेमाल की हुई वस्तुओं को फिर से उपयोगी बनाया जाता है, ताकि संसाधनों की बचत हो और पर्यावरण सुरक्षित रहे।सच तो यह है कि वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन का आह्वान है। जब हम किसी वस्तु को 'कचरा' कहने के बजाय 'संसाधन' के रूप में देखना शुरू करते हैं, तब हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी की नींव रखते हैं। आज विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है और जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ वस्तुओं और संसाधनों का उपयोग भी बढ़ता जा रहा है। जब संसाधनों का उपयोग और उपभोग बढ़ता है तो कचरे की मात्रा भी बढ़ती है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर दबाव पड़ता है। ऐसे में पुनर्चक्रण पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक और प्रभावी उपाय बनकर सामने आता है। पुनर्चक्रण के अनेक लाभ हैं। इससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, कचरे की मात्रा कम होती है, भूमि, जल और वायु प्रदूषण में कमी आती है, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि नई वस्तु बनाने की तुलना में पुरानी वस्तुओं के पुनर्चक्रण में कम ऊर्जा लगती है।

पुनर्चक्रण से कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों में कमी आती है, जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त यह नए रोजगार के अवसर पैदा करता है, अर्थव्यवस्था को गति देता है और कच्चे माल की आवश्यकता को भी कम करता है। इसलिए आवश्यक है कि पुनर्चक्रण से संबंधित नीतियों और कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए और इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जाए।हालाँकि, दुनिया में पुनर्चक्रण की चर्चा बहुत होती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि अभी भी बहुत कम कचरा पुनर्चक्रित हो पाता है। वैश्विक स्तर पर केवल लगभग 6.9% सामग्री ही पुनर्चक्रित हो पाती है। विश्व की अर्थव्यवस्था में उपयोग होने वाले लगभग 106 अरब टन संसाधनों में से केवल 6.9% ही पुनर्चक्रण के माध्यम से पुनः उपयोग में आ पाते हैं। प्लास्टिक पुनर्चक्रण की स्थिति और भी चिंताजनक है।

दुनिया में बनने वाले प्लास्टिक का केवल 9-10% ही पुनर्चक्रित हो पाता है। वर्ष 2024 में लगभग 22 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ, लेकिन इसका बहुत छोटा हिस्सा ही सही तरीके से रीसायकल हो पाया। इसी प्रकार वर्ष 2022 में बने 400 मिलियन टन प्लास्टिक में से केवल 9.5% ही पुनर्चक्रित सामग्री से बना था। वर्तमान में विश्व में हर वर्ष लगभग 400-414 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है और यदि यही स्थिति बनी रही तो 2060 तक प्लास्टिक का उपयोग लगभग तीन गुना हो सकता है। वर्ष 1950 से अब तक दुनिया में 9 अरब टन से अधिक प्लास्टिक बनाया जा चुका है और हर वर्ष लगभग 350 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। इतना ही नहीं, हर साल लगभग 80 लाख टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुंच जाता है, जो समुद्री जीवन और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है।

नाथद्वार के श्रीनाथजी मंदिर में बेटों के साथ बहुएं भी लगाती हैं हाजिरी

अधिकतर लोग केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन के लिए जाते हैं। लेकिन आज हम आपको नाथद्वार स्थित श्रीनाथजी मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। श्रीनाथजी मंदिर में आम लोगों के साथ-साथ कई फेमस हस्तियां दर्शन करने के लिए पहुंचती हैं। इन हस्तियों में एक अंबानी परिवार भी शामिल है। हाल ही में अंबानी की छोटी बहु राधिका मर्चेंट को श्रीनाथजी मंदिर में देखा गया था। जहां पर राधिका के साथ उनके माता-पिता भी थे। बता दें कि नाथद्वार में स्थित भगवान श्रीनाथजी का चमत्कारी मंदिर है। यह मंदिर कई चमत्कारी कहानियों के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि श्रीनाथजी खुद भगवान विष्णु के अवतार हैं। पौराणिक मान्यता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण सात साल के थे, तब वह यहां पर विराजमान हो गए थे। इस दौरान मंदिर में मौजूद श्रीकृष्ण की काले रंग की मूर्ति को एक पत्थर से तराशा गया है। वहीं यह अपने आप में हैरान कर देने वाली चीज है। यहां भगवान भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं। इसलिए श्रद्धालु अपने साथ चावल लेकर जाते हैं। दर्शन के बाद श्रद्धालु इन चावलों को अपनी तिजोरी में रखते हैं, जिससे कि घर में धन की कमी न हो। उस दौरान श्रीनाथजी की मूर्ति जोधपुर के पास चौपासनी गांव में थी। चौपासनी गांव में कई समय तक बैलगाड़ी में श्रीनाथजी की मूर्ति की पूजा होती रही। हालांकि अब यह गांव जोधपुर का हिस्सा बन गया है। वहीं जिस जगह ये बैलगाड़ी खड़ी थी, वहां पर श्रीनाथजी का मंदिर बना है। कोटा से करीब 10 किमी दूर श्रीनाथजी की चरण पादुकाएं उसी दौरान आज तक वहीं रखी हुई है। इस स्थान को चरण चौकी के नाम से जानते हैं। मंदिर से जुड़े नियमों के मुताबिक सर्दियों में प्रभु श्रीनाथजी को उठाकर भोग लगाया जाता है। वहीं रात में प्रभु को सुलाने के लिए कवियों के पदों का गान किया जाता है। श्रीनाथजी के शयनानन्तर तक बीन भी बजाई जाती है। वहीं गर्मी में उनके लिए पंखे की सेवा की जाती है। वहीं सर्दियों में उनको ठंड से बचाने के लिए श्रीनाथजी की मूर्ति के पास अंगीठी रखी जाती है। अवार्ली पर्वत माला के बीच मौजूद इस मंदिर में आकर आपको सुकून का एहसास होगा।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1906 - रोमानियाई आविष्कारक Traian Vuia एक अनधिकृत टेकऑफ़ के साथ एक भारी-से-हवा मोनोप्लेन को उड़ाने वाले पहले व्यक्ति बन गए।
1920 - ग्रीस ने ग्रेगोरीयन कैलेंडर का उपयोग करना आरम्भ किया
1921 - पोलिश-सोवियत युद्ध, जिसने पोलैंड और सोवियत रूस की सीमाओं के साथ विश्वासघात किया, औपचारिक रूप से पीस ऑफ रीगा के सूत्रीकरण के साथ संपन्न हुआ।
1922 - ब्रितानी अदालत ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के बाद राजद्रोह के मामले में महात्मा गांधी को 6 साल की जेल की सजा सुनाई थी।
1925 - पूर्वोत्तर टोक्यो में आग लगने से 3,000 भवन नष्ट हुए।
1953 - पश्चिमी तुर्की में आए भूकंप के कारण 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई।
1965 - सोवियत संघ के वायुसेना पायलट एलेक्सी लियोनोव ने पहली बार स्पेसवॉक किया था। तब से अब तक करीब 200 से ज्यादा यात्री स्पेसवॉक कर चुके हैं।
1970 - संयुक्त राज्य अमेरिका के डाक कर्मियों ने दो सप्ताह की हड़ताल शुरू की जबकांग्रेस ने अपनी मजदूरी 41% बढ़ा दी, लेकिन केवल डाककर्मियों की मजदूरी 4% बढ़ा दी।
1971 - पेरू में भूस्खलन से 200 लोग मरे।
1978 - पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी देने का फैसला हुआ।
1985 - ऑस्ट्रेलियाई साबुन ओपेरा नेबर्स का पहला एपिसोड सेवन नेटवर्क पर प्रसारित किया गया था, जो अंततः ऑस्ट्रेलियाई टेलीविजन इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाला नाटक बन गया।
1993 - बैरी अधिक रंगमंच पर बहनों रोज़ेन्गुइडिंग कर रहे थे। इसे न्यूयॉर्क में लगभग 556 प्रदर्शनों में शामिल किया गया था।
1994 - दक्षिण अफ्रीका गोल्डस्टोन समिति लोकप्रिय हो गई। इसमें गुप्त पुलिस के अस्तित्व का पता चला।
1995 - माइकल जॉर्डन ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की, अपने 17 महीने के एनबीए के अंत।

विपक्ष कब करेगा आत्ममंथन ? बिहार रास चुनाव में विपक्ष की करारी हार

-सौरभ वार्ष्णेय-

बिहार की राजनीति में हाल ही में हुए राज्सभा चुनाव ने कई राजनीतिक संकेत दिए हैं। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता राजद के लिए परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। सीटों के गणित और राजनीतिक समीकरणों के कारण जिस तरह का परिणाम सामने आया, उसने विपक्षी राजनीति में असहजता और भीतर की पीड़ा को उजागर कर दिया। जिसे लेकर तेजस्वी यादव का दर्द छलक पड़ा? क्या विधायक इनके विश्वास पर खरे नहीं उतरे या भाजपा की रणनीति समझ नहीं पाये। सवाल उठ रहे है कि विपक्ष अब आत्ममंथन कब करेगा? बिहार जैसे राज्यों में तो स्थिति इतनी उलझी कि विपक्षी खेमे के कुछ विधायक मतदान के समय अनुपस्थित रहे और पूरा समीकरण बदल गया। यह घटना केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि विपक्ष के भीतर मौजूद कमजोरियों का संकेत भी है। राज्यसभा जैसे चुनावों में गणित स्पष्ट होता है-यहां जीत का आधार संख्या और अनुशासन होता है। लेकिन जब अपने ही विधायक अनुपस्थित हों या क्रॉस-वोटिंग की आशंका पैदा हो जाए, तो यह संगठनात्मक ढीलापन और नेतृत्व की कमजोरी को उजागर करता है। ऐसे में ५ राज्यों के चुनावों मे इसका असर पड़ेगा। इसलिए अगर विपक्ष अब भी एकजुट नहीं हुआ तो एकजुट का मतलब अपने ही विधायकों का विश्वास जीतना।

राज्यसभा चुनाव सामान्यतः विधानसभा की संख्या बल पर निर्भर होते हैं, लेकिन इस बार बिहार में क्रॉस-वोटिंग और राजनीतिक रणनीतियों ने परिणाम को अलग दिशा दे दी। सत्ता पक्ष की ओर से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत दिखाई, जबकि विपक्षी खेमे में अपेक्षित एकजुटता नजर नहीं आई। यही कारण है कि परिणाम आने के बाद तेजस्वी यादव के समर्थकों में निराशा और असंतोष साफ दिखाई दिया। ज्ञात रहे कि तेजस्वी यादव पिछले कुछ वर्षों से खुद को बिहार में विपक्ष की सबसे मजबूत आवाज के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। लेकिन राज्यसभा चुनाव के इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि केवल जनसभाओं और राजनीतिक भाषणों से सत्ता के समीकरण नहीं बदलते; इसके लिए ठोस राजनीतिक प्रबंधन और सहयोगियों की मजबूत प्रतिबद्धता भी जरूरी होती है। इस चुनाव ने एक और सच्चाई उजागर की-बिहार की राजनीति में अभी भी संख्या बल और रणनीति का महत्व सबसे अधिक है। यदि विपक्ष अपने भीतर की कमजोरियों को दूर नहीं करता, तो सत्ताधारी गठबंधन को चुनौती देना आसान नहीं होगा। तेजस्वी यादव के लिए यह हार केवल एक सीट का नुकसान नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है। यह संदेश है कि विपक्ष को संगठित होने, विधायकों के बीच भरोसा मजबूत करने और राजनीतिक रणनीति को अधिक सटीक बनाने की जरूरत है।

राज्यसभा चुनावों में लगभग 37 सीटों पर मुकाबला हुआ, जिनमें कई उम्मीदवार निर्विरोध भी चुने गए, जबकि कुछ राज्यों में सीधी टक्कर देखने को मिली।इन चुनावों ने यह साफ कर दिया कि सत्ता पक्ष जहां रणनीति और एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं विपक्ष कई जगहों पर बिखरा हुआ नजर आता है। लोकतंत्र में हार-जीत का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन यह हार विपक्ष के लिए आत्ममंथन का अवसर भी बन सकती है। यदि तेजस्वी यादव इस अनुभव से सीख लेकर अपनी राजनीतिक रणनीति को मजबूत करते हैं, तो आने वाले समय में यह पराजय ही उनकी नई राजनीतिक ताकत का आधार बन सकती है। राज्यसभा चुनाव का परिणाम केवल सीटों की हार-जीत नहीं है; यह विपक्ष के सामने खड़ा आईना भी है। सवाल यही है-क्या विपक्ष इस आईने में खुद को देखने का साहस करेगा? यदि आत्ममंथन समय रहते नहीं हुआ, तो आने वाले चुनावों में भी यही कहानी दोहराई जा सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

बच्चों को पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलना जरूरी: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश के भविष्य हमारे बच्चे हैं और उन्हें पौष्टिक भोजन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मु ने मंगलवार को अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा पांच अरब भोजन परोसने की उपलब्धि के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों को बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। पीएम पोषण के तहत चल रहा स्कूल मध्याह्न भोजन कार्यक्रम अभिभावकों के लिए बच्चों को स्कूल भेजने का एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन साबित हुआ है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि इस योजना से बच्चों के नामांकन, उपस्थिति और स्कूल में टिके रहने की दर में वृद्धि हुई है, साथ ही उनकी सीखने की क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन 'समग्र शिक्षा अभियान' के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक सभी बच्चों को समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने पांच अरब भोजन उपलब्ध कराने की उपलब्धि को सराहनीय बताते हुए कहा कि कार्यक्रम की थीम 'पोषित और शिक्षित भारत से विकसित भारत' हमारे राष्ट्रीय संकल्प 'विकसित भारत 2047' को साकार करने में पोषण और शिक्षा की अहम भूमिका को दर्शाती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों की साझा जिम्मेदारी है। जब शिक्षक, अभिभावक, सामाजिक संगठन, कॉरपोरेट क्षेत्र और समाज के सभी लोग मिलकर कार्य करते हैं, तभी आने वाली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव तैयार होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अवसरों का निर्धारण करती है और उसे सशक्त बनाती है। स्कूल बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करता है। राष्ट्रपति ने पिछले 25 वर्षों से बच्चों में कुपोषण दूर करने और उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के कार्य में जुटे अक्षय पात्र फाउंडेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चे केवल इस योजना के लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं।

आज उन्हें मिलने वाला पौष्टिक भोजन देश की मानव पूंजी में निवेश है, जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्कॉन के संस्थापक-आचार्य श्रील प्रभुपाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से यह निःस्वार्थ खाद्य वितरण पहल शुरू हुई और आज एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है।

25 वर्षों की यह यात्रा आसान नहीं रही। आज इस जनआंदोलन के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक भारत का शिक्षा क्षेत्र है। 16 राज्यों और 25 हजार से अधिक स्कूलों में आप प्रतिदिन 23.5 लाख बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे बच्चे और युवा सुपोषित नहीं होंगे, तब तक भारत अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त नहीं कर सकता। आज भारत का विकास केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक दक्षिण और मानवता के कल्याण के प्रति भी उसकी जिम्मेदारी है। यही 'वसुधैव कुटुंबकम्' की हमारी भावना का सार है। अक्षय पात्र फाउंडेशन पीएम पोषण योजना के एक महत्वपूर्ण कार्यान्वयन भागीदार के रूप में उभरा है। गुणवत्ता, स्वच्छता और नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से इसने इस मिशन को और सशक्त बनाया है। यह साझेदारी इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि सरकार, समाज और संस्थाएं मिलकर देश की जटिल चुनौतियों का समाधान कैसे कर सकती हैं। देश के हर बच्चे तक पौष्टिक भोजन पहुंचाना केवल सेवा नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति हमारा संकल्प है। यह देश के युवाओं के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का हर बच्चा सुपोषित होगा और हर बच्चा स्कूल में बना रहेगा। अक्षय पात्र के संस्थापक-चेयरमैन और इस्कॉन बेंगलुरु के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने कहा कि जब हम मानवता की सेवा के 25 वर्ष और 5 अरब भोजन परोसने की उपलब्धि का उत्सव मना रहे हैं, तब हम श्रील प्रभुपाद के उस महान संकल्प को दोहराते हैं कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। यह कार्यक्रम अक्षय पात्र से जुड़े सभी लोगों को बच्चों की सेवा और अधिक उत्साह के साथ जारी रखने के लिए प्रेरित करता है।

जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ये उपलब्धियां स्कूल पोषण कार्यक्रमों को और सशक्त बनाने तथा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। अक्षय पात्र के वाइस चेयरमैन चंचलापति दास ने कहा कि हमें विश्वास है कि अक्षय पात्र की सफल सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) भविष्य में और अधिक बच्चों को पोषण और शिक्षा तक आसान पहुंच दिलाने में मदद करेगी और वे आने वाले वर्षों में नए और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देंगे।

पश्चिम बंगाल विस चुनाव-2026

निर्वाचन आयोग ने 13 पुलिस अधिकारियों का किया तबादला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की घोषणा के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य के पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए 13 वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला किया है। आयोग ने यह कदम निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया है।

निर्वाचन आयोग द्वारा 17 मार्च को जारी आदेश में कहा गया है कि चुनाव तैयारियों की समीक्षा के बाद इन अधिकारियों को नए पदों पर तत्काल प्रभाव से तैनात करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही राज्य सरकार को 18 मार्च सुबह 11 बजे तक सभी अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने की अनुपालन रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। तबादला किए गए अधिकारियों में पुष्पा को बारासात पुलिस जिला का पुलिस अधीक्षक, जसप्रीत सिंह को कूचबिहार, सूर्य प्रताप यादव को बीरभूम, राकेश सिंह को इस्लामपुर पुलिस जिला, कुमार सनी राज को हुगली ग्रामीण और इशानी पाल को डायमंड हार्बर पुलिस जिला का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा सचिन के को मुर्शिदाबाद पुलिस जिला, अलकनंदा भौवाल को बसीरहाट पुलिस जिला, अनुपम सिंह को मालदा, अंगशुमान साहा को पूर्व मेदिनीपुर, येलवाड श्रीकांत जगन्नाथराव को कोलकाता के सेंट्रल डिवीजन का उपायुक्त, सुरिंदर सिंह को जंगीपुर तथा पापिया सुल्ताना को पश्चिम मेदिनीपुर का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए इस बार दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना की तिथि बाद में घोषित की जाएगी। चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस स्तर पर यह बदलाव आयोग की सख्ती और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तमिलनाडु: चुनाव आचार संहिता में एंबुलेंस सेवा पर भी कड़ी निगरानी

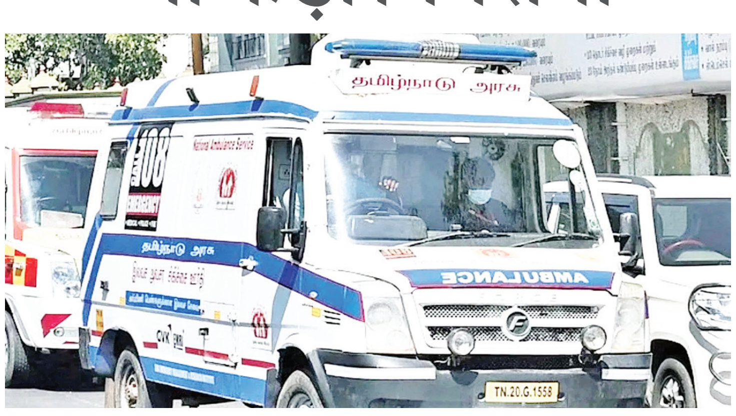

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है। इसी के तहत 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा को भी नियमों के दायरे में लाया गया है। इस संबंध में 108 एंबुलेंस सेवा के राज्य प्रमुख सेल्व कुमार और क्षेत्रीय प्रमुख मोहम्मद बिलाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विस्तृत जानकारी दी है।

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसके लिए चुनाव आयोग ने 15 मार्च को आधिकारिक घोषणा की थी और उसी के साथ आचार संहिता लागू हो गई। इसके तहत उम्मीदवारों और आम लोगों के लिए कई नियम लागू किए गए हैं। इनमें 50 हजार रुपये से अधिक नकद ले जाने पर उसके दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य है। इसी के चलते अब 108 एंबुलेंस में ले जाए जाने वाले मरीजों और उनके साथ आने वाले परिजनों को भी अधिक मात्रा में नकद पैसा साथ ले जाने की अनुमति नहीं होगी। यदि वे पैसे ले जाते हैं तो उसकी जानकारी संबंधित दस्तावेज में दर्ज की जाएगी। विधानसभा चुनाव को देखते हुए 108 एंबुलेंस के ड्राइवरों और कर्मचारियों के लिए भी कई नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। जिसके मुताबिक ड्यूटी के दौरान एंबुलेंस चालक और कर्मचारी किसी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकते। वर्तमान में एक निजी हेल्थ सर्विस कंपनी के माध्यम से पूरे तमिलनाडु में लगभग 1,353 एंबुलेंस संचालित की जा रही हैं। इन एंबुलेंस वाहनों में चुनाव से संबंधित नियमों के नोटिस भी लगाए गए हैं। इनके अनुसार चुनाव के दौरान एंबुलेंस में चिकित्सा उपकरणों के अलावा कोई अन्य सामान ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। इसी तरह मरीज और उनके परिजनों के अलावा बिना अनुमति किसी अन्य व्यक्ति को एंबुलेंस में बैठाकर ले जाना भी मना होगा। आपातकालीन वाहनों की जांच केवल राज्य सरकार के अधिकृत कर्मचारी, पुलिस अधिकारी और चुनाव पर्यवेक्षक ही कर सकते हैं।

एंबुलेंस ड्राइवर और कर्मचारियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि मरीज या उनके साथ आने वाले लोग एंबुलेंस में रखे बॉक्स या उपकरणों को न खोलें, ताकि इनके जरिए नकद पैसा या अन्य वस्तुएं छिपाकर ले जाने की संभावना को रोका जा सके।

अमित शाह ने एनसीबी स्थापना दिवस पर बल के कर्मियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के स्थापना दिवस पर बल के कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि एनसीबी कर्मियों को उनके स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं! हमारे युवाओं को नशे की विभीषिका से बचाने के लिए समर्पित एक प्रमुख एजेंसी एनसीबी अपनी जिम्मेदारी को कुशलता और दक्षता के साथ निभा रही है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को उल्लेखनीय गति से साकार कर रही है। राष्ट्र उनके समर्पण और देशभक्ति को सलाम करता है।

प्रधानमंत्री मोदी से सपरिवार मिले वरुण गांधी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद वरुण गांधी ने सपरिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान वरुण के साथ उनकी पत्नी और पुत्री भी उपस्थित रहीं। वरुण ने प्रधानमंत्री से आशीर्वाद लिया और मार्गदर्शन हासिल करने की बात कही।

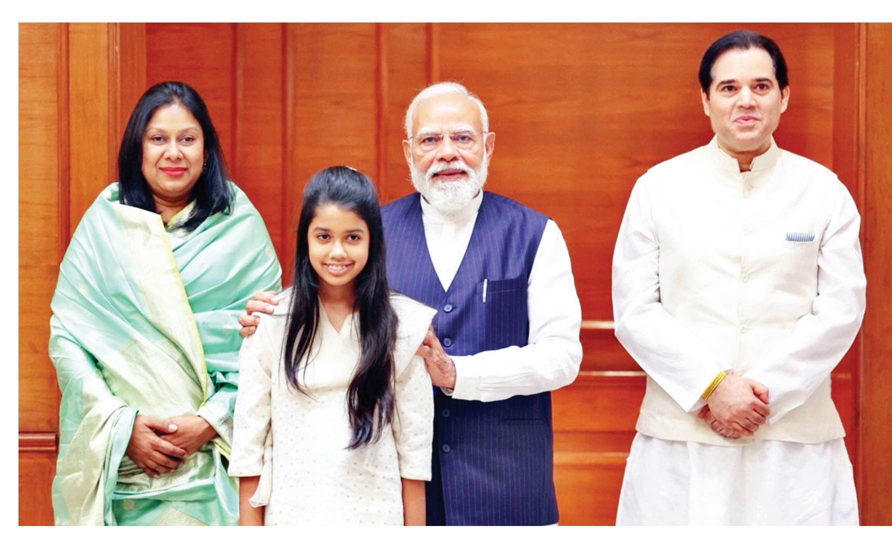

वरुण गांधी ने इस मुलाकात की फोटो मंगलवार को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि परिवार सहित प्रधानमंत्री से मिलकर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व को "आभामंडल से युक्त" बताते हुए कहा कि उनमें "अद्भुत पितृवत स्नेह और संरक्षण का भाव" झलकता है। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि प्रधानमंत्री देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा के युवा चेहरों में गिने जाने वाले वरुण गांधी की सक्रियता पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम है।

उनकी पत्नी यामिनी मूलरूप से कोलकाता से आती हैं। ऐसे में कुछ लोग इस मुलाकात को पश्चिम बंगाल के चुनाव से भी जोड़कर देख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की मुलाकातें और सार्वजनिक वक्तव्य भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं और समीकरणों की ओर भी संकेत कर सकते हैं, हालांकि इस पर अभी कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है।

आदिवासी होमस्टे संचालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

नई दिल्ली। देश के जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने और पर्यटन के क्षेत्र में उन्हें पेशेवर पहचान दिलाने की दिशा में मंगलवार को एक बड़ी पहल की गई है। भारतीय पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) और जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने संयुक्त रूप से आदिवासी होमस्टे मालिकों के लिए 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' का उद्घाटन किया।

यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित होटल सम्राट के कौटिल्य हॉल में आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सामुदायिक पर्यटन को बढ़ावा देना और आदिवासी क्षेत्रों में आतिथ्य सत्कार के मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाना है।

आईटीडीसी के 'आईएचएम अशोक' की ओर से संचालित इस प्रशिक्षण का लक्ष्य होमस्टे संचालकों के सेवा मानकों और प्रबंधन कौशल को निखारना है। प्रशिक्षण के पहले चरण में अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और गुजरात के कुल 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस पहल से न केवल आगंतुकों का अनुभव बेहतर होगा बल्कि आदिवासी समुदायों के लिए स्वरोजगार और स्थायी आय के नए स्रोत भी खुलेंगे। जनजातीय मामलों के मंत्रालय के सचिव ने कहा कि भारतीय पर्यटकों की सोच बदल रही है। आज के यात्री भीड़-भाड़ से दूर प्रकृति के करीब और प्रदूषण मुक्त स्थलों की तलाश कर रहे हैं।

साथ ही वे इन वातावरणों का वास्तविक अनुभव करने के लिए अधिक समय तक ठहरना पसंद करते हैं। ऐसे देश में जहां होटल के कमरों की भारी कमी है होमस्टे मॉडल एक सशक्त समाधान प्रस्तुत करता है। यह न केवल आधुनिक यात्रियों की अपेक्षाओं को पूरा करता है बल्कि आदिवासी परिवारों, विशेष रूप से प्राकृतिक पगडंडियों से समृद्ध पर्वतीय और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सार्थक आजीविका के अवसर भी पैदा करता है। आईटीडीसी की प्रबंध निदेशक मुग्धा सिन्हा ने कहा कि भारत में होमस्टे आंदोलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशभर में एक लाख होमस्टे स्थापित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित है। 1,500 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने का हमारा तात्कालिक प्रयास मात्र शुरुआत है। हमारा व्यापक लक्ष्य उन्हें अपने-अपने राज्यों में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षक बनने के लिए सशक्त बनाना है जिससे यह मॉडल तेजी से विस्तारित हो सके और यह सुनिश्चित हो सके कि समुदाय अपने घर के पास ही प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

एचपीवी टीकाकरण अभियान में मप्र बना देश में नंबर वन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को दी बधाई

भोपाल। मध्य प्रदेश ने ह्यूमन पैपिलोमावायरस संक्रमण (एचपीवी) टीकाकरण अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। राज्य में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष की एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश अभियान के सफल क्रियान्वयन में देश में पहले स्थान पर काबिज हो गया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एचपीवी टीकाकरण अभियान में मात्र 15 दिनों में प्रदेश की एक लाख से अधिक बेटियों को वैक्सीन लगाकर मध्य प्रदेश के देश में प्रथम रहने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बेटियों को सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध सुरक्षा का सशक्त कवच प्रदान करने के लिए प्रारंभ

अभियान के प्रदेश में सफल क्रियान्वयन में इस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : उप मुख्यमंत्री शुक्ल मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश में 14 वर्ष आयु वर्ग की एक लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं के सफल एचपीवी टीकाकरण पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, जिला प्रशासन तथा सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को अजमेर, राजस्थान से इस विशेष एचपीवी टीकाकरण अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया था। मध्य प्रदेश इस अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण कर देश में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण वाला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में माताओंबहनों का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि लगभग 4,000 रुपये मूल्य का यह टीका 14 प्लस आयु वर्ग की बेटियों को निःशुल्क लगाया जा रहा है और एक डोज भविष्य में गर्भाशय एवं ग्रीवा कैंसर के ख़तरे से आजीवन सुरक्षा देने में सहायक होगा। उन्होंने बताया कि मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, राजगढ़ और खरगोन जिलों का इस उपलब्धि में विशेष योगदान रहा है। प्रदेश में अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर कलेक्टरों की अध्यक्षता में समन्वय स्थापित किया।

डाक विभाग की 24 और 48 घंटे की स्पीड पोस्ट सेवा का शुभारंभ

अब देश के 6 शहरों में होगी तय समय में डिलीवरी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश के 6 प्रमुख शहरों में 24 और 48 घंटे में गारंटीकृत वितरण देने वाली डाक विभाग की नई सेवाओं '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' का शुभारंभ किया। इन सेवाओं के तहत अब दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में रिकॉर्ड समय में पार्सल पहुंचाया जाएगा। देरी होने की स्थिति में उपभोक्ता को पूरा शुल्क वापस किया जाएगा। डाक विभाग के यहां मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी और विभाग की सचिव वंदिता कौल भी मौजूद रहीं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि देश के 6.5 लाख गांवों, हर तहसील और तालुका में यदि परिवार के सदस्य से भी अधिक किसी संस्था

पर भरोसा किया जाता है, तो वह ग्रामीण डाक सेवा है। यही भरोसा डाक विभाग की सबसे बड़ी ताकत है। सिंधिया ने जोर देकर कहा कि दुनिया में डाक विभाग जैसा इतना बड़ा और गहराई तक फैला नेटवर्क किसी अन्य देश के पास नहीं है। यह नेटवर्क देश के अंतिम छोर तक अपनी पहुंच बनाए हुए है। सिंधिया ने कहा कि यह सेवा डाक विभाग के लिए एक नए युग की शुरुआत है। वर्तमान में स्मार्टफोन बाजार लगभग 11 लाख करोड़ का है। 2030 तक 30 लाख करोड़ होने की संभावना है। ऐसे में तेज और भरोसेमंद वितरण प्रणाली की आवश्यकता बढ़ जाती है। नई सेवाएं आम लोगों, छोटे व्यापारियों और ऑनलाइन कारोबार के लिए बेहतर होगा।

संक्षिप्त खबरें

गंगा नदी में नाव पर बैठकर बिरयानी खाने के आरोप में 14 लोग गिरफ्तार

वाराणसी। कोतवाली क्षेत्र में गंगा में नाव पर इफ्तार करने और कथित रूप से बिरयानी खाने का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करके 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि सोमवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था, जिसमें गंगा में नाव पर बैठकर कुछ लोग इफ्तार पार्टी करते दिखे। उन्होंने बताया कि वीडियो में यह प्रतीत हो रहा है कि पार्टी में चिकन बिरयानी का सेवन किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार इस मामले में भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। एसीपी ने बताया कि मामले में कार्रवाई के लिए एक टीम बनाई गई और इसके बाद इफ्तार पार्टी में कथित तौर पर शामिल 14 लोगों की पहचान करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

छह नाबालिगों को मानव तस्कर के चंगुल से मुक्त कराया आरोपी गिरफ्तार

चंदौली। जिले में दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) जंक्शन के आरपीएफ व बचपन बचाओ आंदोलन की साझा टीम ने छह नाबालिग बच्चों को एक मानव तस्कर के चंगुल से मुक्त कराया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, इन बच्चों के माता-पिता को पैसों का लालच देकर इन्हें मजदूरी कराने के लिए एक ट्रेन से ले जाया जा रहा था। आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप रावत ने बताया कि सोमवार की शाम जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर-7 पर गाड़ी संख्या 22948 (भागलपुर-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस) की नियमित जांच के दौरान जनरल कोच से दिनेश मंडल नाम के आरोपी को इन बच्चों को अपने साथ ले जाते हुए पकड़ा गया। रावत ने बताया कि बच्चों से बात करने पर तस्कर के बारे में खुलासा हुआ। आरोपी और मुक्त कराए गए बच्चे झारखंड के गोड्डा जिले के निवासी हैं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बच्चों से यह पता चला कि गिरफ्तार दिनेश मंडल इन्हें अपने खर्चे पर गोड्डा से भागलपुर लाने के बाद इन्हें इस ट्रेन से वड़ोदरा ले जा रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने वहां पहुंचने के बाद बाल मजदूरों को एक सोलर संयंत्र में रोज 12 घंटे मजदूरी के बदले प्रतिमाह 18 हजार रुपये देने की बात कही थी। प्रभारी के मुताबिक, मामला बाल तस्करी का पाए जाने पर बरामद बच्चों को उनके परिजनों तक सकुशल पहुंचाने के लिए 'रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क', डीडीयू को सुपुर्द कर दिया गया है। साथ ही पकड़े गए आरोपी के खिलाफ मुगलसराय थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। रावत ने कहा कि इस मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

यूजीसी विधेयक का विरोध करने वाले छात्र पर हमला, घायल

बहराइच। केंद्र सरकार के यूजीसी विधेयक का लगातार विरोध करने वाले एक युवक पर सोमवार को उसके कालेज में अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इस सिलसिले में 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने बताया कि यह हमला उस वक्त हुआ जब वह किसान कालेज से अपना अंकपत्र लेने जा रहा था। उन्होंने बताया कि पीड़ित युवक की पहचान बहराइच जनपद के इंदनापुर गांव निवासी विमल शर्मा के तौर पर हुयी है। विमल ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि वह लगातार यूजीसी विधेयक का सक्रिय होकर विरोध कर रहा था। उसने बताया, "रविवार को विधेयक के विरोध में मैने बहराइच से अयोध्या तक की पदयात्रा शुरू की थी, लेकिन पुलिस मुझे बहराइच सीमा से वापस ले आई थी। छात्र ने बताया, "सोमवार को मैं किसान डिग्री कालेज से अपना अंकपत्र लेने जा रहा था, तभी कुछ लोगों ने मुझपर जानलेवा हमला कर मुझे घायल कर दिया।" देहात कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक दद्दन सिंह ने मंगलवार को बताया कि ₹अंकपत्र लेने कालेज गये विमल शर्मा ने सोमवार को छः नामजद व सात अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराधिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई है।" उन्होंने कहा, "मामले की तफ्तीश की जा रही है। अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित युवक का इलाज कराया गया है, उसकी हालत स्थिर है।₹ पुलिस निरीक्षक ने बताया, "पदयात्रा व मारपीट दो अलग अलग मामले हैं, पदयात्रा दो तीन दिन पूर्व निकालने की सूचना मिली थी, जबकि मारपीट की घटना सोमवार को कालेज में अंकपत्र लेने जाते समय हुई है।" उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच में पदयात्रा तथा यूजीसी विधेयक विरोध का इस मारपीट से कोई ताल्लुक नहीं नजर आ रहा है, फिर भी मामले की जांच के दौरान किसी भी पहलू को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है।

चोरी के आरोप में 3 युवक गिरफ्तार 70 लाख के जेवरात बरामद

प्रयागराज। जिले में स्थित सराय इनायत थाने की पुलिस ने गत दिनों हुई लाखों की चोरी का खुलासा करते हुए मंगलवार को नसीरापुर अम्बर पास के समीप से तीन युवकों को गिरफ्तार किया। इस दौरान लगभग सत्तर लाख रुपए के जेवरात बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में प्रयागराज जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के मंसूराबाद निवासी यश सोनी पुत्र कृष्ण कुमार सोनी और पड़ोसी आदित्य सोनी पुत्र श्याम सुन्दर,पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के पूरापजावा बमरौली निवासी आर्यंस सोनी पुत्र शत्रुधन वर्मा ने पीड़ित परिवार की एक युवती को बहला फुसलाकर जानकारी जुटाई और मौका पाकर वारदात को अंजाम दिया। पुछताछ के दौरान आरोपित युवकों ने बताया कि तीनों आभूषण की दुकानों में कारीगर का काम करते हैं। गिरफ्तार आरोपितों में से एक की पीड़ित परिवार की एक युवती से इंस्टाग्राम पर बातचीत होती थी, बातचीत के दौरान ही घर में रखे जेवरात की जानकारी जुटाई और जब 9 मार्च को उक्त परिवार एक शादी समारोह में चला गया। मौके पर पाते ही रात में घर का ताला तोड़कर घर में रखे जेवरात उठा ले गए। वापस लौटने के बाद वादी ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। जांच के दौरान जानकारी मिली कि इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के माध्यम से चोरी करने वाले युवकों को जेवरात की जानकारी मिली है।

सुरक्षा और सुविधाओं के साथ प्लास्टिक मुक्त होगा विंध्याचल मेला : सीएम योगी

मीरजापुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विंध्याचल स्थित अष्टभुजा डाक बंगले में आगामी चैत्र नवरात्र मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र सहित पूरे जनपद को प्लास्टिक मुक्त बनाया जाए और श्रद्धालुओं के सामने स्वच्छ व सुंदर विंध्याचल का प्रस्तुतीकरण हो।

मुख्यमंत्री ने नगर पालिका व पंचायती राज विभाग को मेला क्षेत्र और घाटों पर विशेष साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की व्यवस्था लागू करने और बस व रेलवे स्टेशनों सहित प्रमुख सड़कों के सुंदरीकरण पर भी जोर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि सामान्य श्रद्धालुओं के साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए जाएं। गंगा नदी में सुरक्षा के मद्देनजर एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की पर्याप्त तैनाती के साथ श्रद्धालुओं को लाइफ जैकेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को पेयजल, शौचालय, बिजली और प्रकाश जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुचारु रूप से मिलनी चाहिए।

गर्मी को देखते हुए पूरे जनपद में पर्याप्त पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने पर जोर दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए अधिक दूरी पैदल न तय करनी पड़े। उन्होंने श्रद्धालुओं के सामान की सुरक्षा, होर्डिंग्स के माध्यम से सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। गो तस्करी व अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड तक पहुंचने पर बल दिया। बैठक में विकास कार्यों को समयबद्ध व गुणवत्ता के साथ पूरा करने, पुराने राजस्व वादों के निस्तारण, जनप्रतिनिधियों और उद्यमियों के साथ संवाद स्थापित कर समस्याओं के समाधान तथा नए निवेशकों को भूमि उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

सिधौली सीएचसी में अचानक पैदल पहुंचे ब्रजेश पाठक, खामियों को देख जिम्मेदारों को कड़ी फटकार

सीतापुर। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को सिधौली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल दी। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंचे डिप्टी सीएम को देखते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया और स्टाफ में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सबसे पहले डिप्टी सीएम सीधे पर्चा काउंटर पहुंचे, जहां वे खुद लाइन में खड़े हो गए और मरीजों से बातचीत कर जमीनी हकीकत जानी। करीब 45 मिनट तक चले निरीक्षण में उन्हें कई गंभीर खामियां मिलीं, जिस पर उन्होंने सख्त नाराजगी जताई।

वार्ड में मरीजों के बेड पर गंदी और खून के दाग वाली चादरें मिलने पर ब्रजेश पाठक का पारा चढ़ गया। उन्होंने मौके पर मौजूद सीएचसी अधीक्षक डॉ. आनंद सिंह को जमकर फटकार लगाई और तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने लांड्री संचालक और आउटसोर्सिंग पर तैनात सफाईकर्मियों का एक माह का वेतन काटने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान एक संविदाकर्मी क्लीनर की लापरवाही सामने आने पर उसका भी एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। डिप्टी सीएम ने साफ कहा कि मरीजों को स्वच्छ वातावरण देना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यहीं नहीं, अस्पताल का एक्स-रे रूम बंद मिलने पर भी उन्होंने कड़ा रुख अपनाया। पूछताछ में टेक्नीशियन ने बताया कि जनरेटर नहीं चल रहा, जिसके चलते एक्स-रे सेवा बाधित है।

इस पर डिप्टी सीएम ने अधीक्षक को कड़ी फटकार लगाते हुए व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की बात कही। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों और तीमारदारों से भी सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी न रहे और सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में वकीलों ने एसपी कार्यालय घेरा, न्यायिक कार्य ठप

जौनपुर। जिले के कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को एक अधिवक्ता की पीट-पीटकर हत्या के विरोध में वकीलों का आक्रोश फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर जोरदार प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट अधिवक्ता समिति के महामंत्री मनोज मिश्रा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव कर आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने घटना के विरोध में न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया, जिससे अदालतों का कामकाज प्रभावित रहा। समिति के अध्यक्ष घनश्याम सिंह ने इस हत्याकांड के लिए पुलिस की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि अधिवक्ता ने कुछ दिन पूर्व अपनी जान को खतरा बताते हुए एसपी से शिकायत की थी, लेकिन उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उन्हें लगातार धमकियां मिलती रहीं, जिसे नजरअंदाज किया गया। अधिवक्ताओं ने प्रशासन के सामने कई मांगें रखीं, जिसमें मृतक के परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, केराकत थानाध्यक्ष को तत्काल निलंबित करने और आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग प्रमुख है। प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने का प्रयास किया और अधिवक्ताओं को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सास और साले की हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

बरेली। पंचायत बैठक के दौरान पत्नी को चाकू मारने और सास तथा साले की हत्या करने का आरोपी एक व्यक्ति पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी अफसर खान (40) और साइमा (28) की नौ साल पहले शादी हुई थी और उनके दो बच्चे हैं।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते पांच दिन पहले महिला मायके आई थी और मामले को सुलझाने के लिए सोमवार को पंचायत बैठक बुलाई गई। पुलिस ने बताया कि बैठक के दौरान, पेशे से एंबुलेंस चालक अफसर खान ने अपनी सास आसमा (54) और साले आदिल (20) की चाकू मारकर हत्या कर दी। अधिकारी ने बताया कि जब पत्नी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो हमला करके उसे भी घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि महिला की

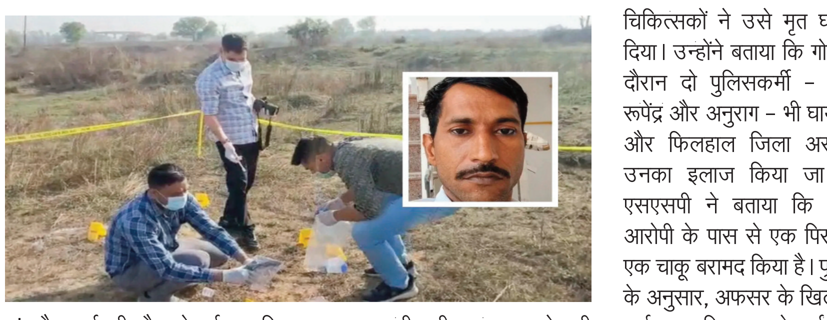

मां और भाई की मौत हो गई, जबकि उसे खुद एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने बताया कि पंचायत बैठक के दौरान हत्याएं होने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। आर्य ने कहा कि मंगलवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि अफसर मुड़िया अहमदनगर के सहारा मैदान में अवैध हथियार लेकर मौजूद है और अस्पताल जाकर पत्नी की हत्या करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उसे बार-बार आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन इसके बजाय उसने पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। एसएसपी ने कहा कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसके परिणामस्वरूप अफसर गंभीर रूप से घायल हो गया। एसएसपी ने बताया कि उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के दौरान दो पुलिसकर्मी - कांस्टेबल रूपेंद्र और अनुराग - भी घायल हो गए और फिलहाल जिला अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है। एसएसपी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्तौल और एक चाकू बरामद किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अफसर के खिलाफ पहले कई आपराधिक मामले दर्ज थे।

2009 में, अफसर ने अपने मामा की हत्या कर दी थी। बिथरी चैनपुर थाने में मामला दर्ज होने के बाद उसे जेल भेज दिया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अदालत से जमानत मिलने के बाद वह अपने गांव लौट आया था। हालांकि, पुलिस सूत्रों के अनुसार, जेल से रिहा होने के बाद भी उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि उसके खिलाफ चोरी का मामला भी दर्ज है।

तेज रफ्तार ट्रक ने किसान को रौंदा, मौत

फतेहपुर। जिले में मंगलवार को खेत में पानी लगाकर घर वापस लौटते समय नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने किसान को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चालक वाहन लेकर फरार हो गया। थानाध्यक्ष रमाशंकर सरोज ने बताया कि औंग थाना क्षेत्र के गोधरौली गांव निवासी संजय त्रिवेदी (45) आज सुबह अपने खेत में पानी लगाने गये थे। पानी लगाकर दोपहर बाद घर वह वापस घर लौट रहे थे। तभी नेशनल हाईवे को पार करते समय सामने से तेज रफ्तार ट्रक संजय को टक्कर मारते हुए निकल गया। घटनास्थल पर ही किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर अग्रिम कार्रवाई शुरू दी। मृतक अपने पीछे पत्नी सुधा त्रिवेदी (40) एक पुत्र अनुज त्रिवेदी (22) एवं एक पुत्री अंजली त्रिवेदी (17) छोड़ गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है।

भाजपा नेता की हत्या, भीड़ ने किया सोनौली मार्ग जाम

गोरखपुर। जिले के चिलुआताल थाना क्षेत्र स्थित वार्ड नंबर 14 बरगदवा में भाजपा नेता राजकुमार चौहान की मंगलवार सुबह गोली और चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पीड़ित परिवार और समर्थकों ने सोनौली मार्ग जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जल्द खुलासा करने के आश्वासन देकर परिवार को शांत कराया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि भाजपा नेता राजकुमार चौहान मंगलवार को जब वे सुबह की सैर पर निकले थे, तो चार हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और उन पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जान बचाने के लिए गंभीर रूप से घायल राजकुमार चौहान करीब सौ मीटर तक भागे, लेकिन हमलावरों ने उनका पीछा किया और फिर से उन पर वार किया। लेकिन हमलावरों ने उनका पीछा कर दोबारा हमला बोल दिया। बदमाशों ने उनके सीने, सिर और

हाथ पर वार किए। हमले के बाद हमलावर वहां कुछ समय रुके और जब उन्हें लगा कि भाजपा नेता की मौत हो गई है, तब वे भाग निकले। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमलावर अपनी गाड़ी कुछ दूरी पर खड़ी कर पैदल घटनास्थल तक पहुंचे थे।घटना की जानकारी मिलते ही लगभग दो सौ लोग इकट्ठा हो गए और सड़क जाम कर हंगामा करने लगे। पुलिस लोगों को समझाने में जुटी रही। इसके बाद कई थानों की फोर्स के साथ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एडीजी और एसएसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एडीजी ने शीघ्र खुलासे के निर्देश अधिकारियों को दिए। एसएसपी ने बताया कि मृतक के परिजनों से लगातार संपर्क में हैं और तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने सात नामजद आरोपितों को हिरासत में लिया है,बाकी की तलाश जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मामले का पर्दाफाश किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि राजकुमार चौहान आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी कर रहे थे। उन्हें राज्यसभा सांसद राधा मोहन अग्रवाल का करीबी माना जाता था। परिजन भाजपा नेता की हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश की आशंका जता रहे हैं

गोरखपुर में मनाया जाएगा भारतीय नूतन वर्षाभिनन्दन समारोह

गोरखपुर। चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा से प्रारंभ होने वाले नववर्ष के अवसर पर गोरखपुर के नौका विहार पर "भारतीय नूतन वर्षाभिनन्दन समारोह" आयोजित किया जा रहा है। यह पर्व सृष्टि के उदय, प्रकृति के नवपल्लवन, राष्ट्र चेतना के जागरण और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का प्रतीक है। समारोह के मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. के. पी. कुशवाहा करेंगे। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत अध्यक्ष के प्रांत प्रचारक रमेश विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम 18 मार्च 2026, बुधवार, सायं 6:15 बजे नौका विहार, तारामंडल में आयोजित किया जाएगा। आयोजक समिति ने सभी नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर नववर्ष का स्वागत करने का आग्रह किया है।

चोरी का आरोपी पुलिस हिरासत से फरार, एसएसपी ने दो पुलिसकर्मियों को निलंबित किया

झांसी। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए चोरी के दो आरोपियों में से एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने आरोपियों की अभिरक्षा में तैनात दो सिपाहियों को निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस के अनुसार सोमवार की सुबह कोतवाली पुलिस ने शहर क्षेत्र में हुई चोरियों के संबंध में एक मुठभेड के दौरान नगरिया कुआं के पास से बिजौली, ग्वालियर निवासी दीपक उर्फ संजय जाटव (31) एवं हरदौल इलाका दतिया निवासी नदीम (19) को गिरफ्तार किया। उनके पास से चोरी के करीब छह लाख रुपये के जेवरात और नगदी समेत अन्य सामग्री भी बरामद हुई थी। दोपहर बाद दोनों आरोपियों को चिकित्सकीय परीक्षण कराने के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया लेकिन इसी बीच आरोपी नदीम वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को चकमा देकर एक ऑटो से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने शहर के विभिन्न मार्गों पर नाकेबंदी कर फरार आरोपी की तलाश का प्रयास किया, परंतु देर रात तक उसका कुछ पता नहीं चल सका।

इस बीच, एसएसपी बी बी जीटीएस मूर्ति ने आरोपियों की अभिरक्षा में तैनात सिपाही मयंक गुप्ता एवं ज्ञानेंद्र को निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं। मूर्ति ने दावा किया कि फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अस्पताल में भर्ती मरीज को बदमाशों ने गोली मारी, एक आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़। जिले के क्वारसी थानाक्षेत्र स्थित एक अस्पताल में भर्ती मरीज को हथियारबंद दो बदमाशों ने गोलीबारी कर घायल कर दिया। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आज यहां बताया कि गोलीबारी की यह घटना क्वारसी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक अस्पताल में हुई।

पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्ति को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत अभी भी गंभीर है। अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नीरज कुमार जादौन ने पत्रकारों को बताया कि हमले में घायल वेदपाल (32) खैर थाना क्षेत्र के एक गांव का निवासी है। उन्होंने पीड़ित के परिवार से मिली जानकारी के हवाले से बताया कि पीड़ित की पड़ोसी मथुरा जिले की एक लड़की से दोस्ती थी और जल्द ही उससे शादी करने की योजना बना रहे थे। उन्होंने बताया कि इसी बीच लड़की के परिवार और उसके पिता (पुलिसकर्मी) ने इस प्रस्ताव का विरोध किया और पिछले महीने उसकी शादी कहीं और करवा दी। उन्होंने बताया कि पीड़ित के परिवार से मिली जानकारी के हवाले से बताया कि वेदपाल अब भी उस लड़की से संपर्क करना चाहता था और

पिछले महीने जब वह लड़की के परिवार से मिलने गया तो उसके परिवार ने उसे बुरी तरह पीटा और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

उन्होंने बताया कि दो दिन पहले उसे पिटाई में लगी चोटों के ऑपरेशन के लिए यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने हमलावरों की पहचान कर ली है और उनमें से एक लड़की का भाई है। उन्होंने बताया कि वह भी पड़ोसी जिले में तैनात पुलिसकर्मी है। एसएसपी नीरज कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस मुख्यालय को दे दी गई है ताकि अपराध में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि लड़की के पिता बागपत जिले में तैनात एक पुलिसकर्मी हैं और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस दो हमलावरों की तलाश कर रही है, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार किये जाने की उम्मीद है।

मन एकाग्र कर लक्ष्य निर्धारित करने से जीवन में सफलता सुनिश्चित : प्रो रीता बहुगुणा जोशी

प्रयागराज। आर्य कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का अंतिम दिवस उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ मंगलवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल योग, प्राणायाम, प्रार्थना तथा व्यायाम से हुई। मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने स्वयंसेविकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि मन को एकाग्र कर लक्ष्य निर्धारित किया जाए तो व्यक्ति अपने जीवन, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा देश के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने अपने बचपन के अनुभव साझा करते हुए स्वयं सेविकाओं को जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सेवा भावना अपनाने की प्रेरणा दी। समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रो. राजेश गर्ग ने अपने वक्तव्य में स्वयंसेविकाओं

द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की और उन्हें समाज के प्रति अधिक संवेदनशील एवं जागरूक बनने का संदेश दिया। उन्होंने विशेष रूप से काली बाड़ी और मलिन बस्ती के भ्रमण जैसे कार्यक्रमों को स्वयंसेविकाओं के सामाजिक अनुभव के लिए उपयोगी बताया। अध्यक्षता करते हुए शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने स्वयंसेविकाओं को विशेष शिविर की सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने राष्ट्र के प्रति सेवा भाव को युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का आधार बताया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बिहार के पारंपरिक झिझिया नृत्य, भाव नृत्य, देशभक्ति गीत, कविता पाठ तथा शिविर के अनुभवों को कविता के रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में फूलों की होली ने सबको आनंदित कर दिया। कार्यक्रम में स्वागत प्राचार्या प्रो. अर्चना पाठक एवं धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रंजना त्रिपाठी द्वारा दिया गया। सात दिवसीय शिविर की आख्या डॉ. शिवानी विश्वकर्मा ने प्रस्तुत की।

संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दामिनी श्रीवास्तव ने किया। शिविर का सफल संयोजन व संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ रंजना त्रिपाठी, डॉ दामिनी, डॉ. भारती, डॉ. सुधा तथा डॉ शिवानी के नेतृत्व में हुआ। इस विशेष शिविर की सफलता में प्रो० ईभा सिरोठिया, डॉ० ममता गुप्ता, प्रो० अंजू श्रीवास्तव, प्रो० नीलांजना जैन, डॉ सुधा सिंह, डॉ. अनुपमा, डॉ. मुदिता, डॉ. किरन एवं डॉ. चित्रा, डॉ राधा रानी, डॉ पूजा, नीना प्रजापति, नेहा, पूनम जायसवाल, रिचा अवस्थी का विशेष योगदान रहा।

KKR को बड़ा झटका: घुटने की चोट के कारण IPL के अधिकतर मैचों से बाहर रहेंगे हर्षित राणा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछले महीने हुई घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर मैचों से बाहर रह सकते हैं। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह अभी 'रिहैबिलिटेशन' से गुजर रहे हैं और बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है।

उस अभ्यास मैच में एक ओवर फेंकने के बाद राणा को चोट लग गई थी। उन्हें इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी जिससे वह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया, जिन्होंने इस टूर्नामेंट का केवल एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) खेला था। राणा ने रविवार को बीसीसीआई नमन पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ उदीयमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया था। राणा की अनुपस्थिति तीन बार की आईपीएल चैंपियन केकेआर के लिए एक बड़ा झटका साबित होगी, जो पहले से ही कई खिलाड़ियों की फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझ रही है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना टी20 विश्व कप के दौरान लगी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जिससे उनका आईपीएल के शुरुआती मैचों में खेलना संदिग्ध है। भारत और बांग्लादेश के बीच इस साल की शुरुआत में तनावपूर्ण भू-राजनीतिक संबंधों के मद्देनजर बीसीसीआई ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया जिससे केकेआर को इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। फ्रेंचाइजी ने उनके स्थान पर जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अनुबंधित किया है। मुजरबानी ने आईपीएल में खेलने के लिए पाकिस्तान सुपर लीग के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया था जहां वह इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए खेलने वाले थे। केकेआर की टीम बुधवार से अपना अभ्यास सत्र शुरू करेगी। उसका पहला मैच 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुंबई में होगा।

आरसीबी और एसआरएच को झटका, हेजलवुड और पैट कमिंस शुरुआती मुकाबलों से बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलियाई खेल वेबसाइट कोड स्पोर्ट्स की रिपोर्ट्स के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दोनों खिलाड़ी फिलहाल अपनी चोटों की वजह से पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

बैंगलुरु टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और एड़ी की नस से जुड़ी समस्या के कारण लंबे समय से बाहर हैं। माना जा रहा है कि वह कम से कम टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। उन्होंने पिछले करीब पांच महीनों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। पिछले सत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 22 विकेट लेकर टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।

हैदराबाद टीम के कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और 28 मार्च को बैंगलुरु के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में शुरुआती मुकाबलों में ईशान किशन टीम की कप्तानी संभाल सकते हैं। कमिंस ने अपने आईपीएल करियर में अब तक 72 मुकाबलों में 79 विकेट लिए हैं। वहीं, पिछले दो सत्रों में उन्होंने हैदराबाद के लिए 30 मैचों में 34 विकेट हासिल किए हैं। दोनों प्रमुख तेज गेंदबाजों की गैरमौजूदगी से टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में दोनों टीमों के प्रदर्शन पर असर पड़ना तय माना जा रहा है।

पढ़ाई में तो अच्छे नंबर नहीं मिले, लेकिन क्रिकेट में 80 प्रतिशत अंक हासिल किए: सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को भले ही पढ़ाई में बहुत अधिक सफलता नहीं मिली लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने आखिरकार 80 प्रतिशत अंक हासिल कर लिए हैं। सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हाल में टी20 विश्व कप खिताब का सफलतावाक बचाव किया। इस जीत का भरपूर आनंद ले रहे सूर्यकुमार का भारतीय कप्तान के रूप में जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है। मुंबई के रहने वाले सूर्यकुमार स्वाभाविक रूप से अपने इन आंकड़ों से बेहद खुश थे, क्योंकि शिक्षा ग्रहण करते समय वह कभी इतने अधिक नंबर लेकर नहीं आए थे।

सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 कप्तान का पद संभालने के बाद लगातार सफलता हासिल की। उनकी अगुवाई में भारत ने अभी तक जो 52 मैच खेले हैं उनमें से 42 मैच में उसे जीत मिली है। सूर्यकुमार ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे लगता है कि स्कूल और कॉलेज में मैंने जो प्रतिशत हासिल करने की कोशिश की वह अब मुझे क्रिकेट में मिल रही है।'' उन्होंने कहा, ''वहां मैं कभी 50-60 प्रतिशत का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। लेकिन यह (जीत की दर 80 प्रतिशत) सुनकर वास्तव में बहुत अच्छा लग रहा है। मैं वैसे आंकड़ों पर बहुत ज्यादा गौर नहीं करता हूं लेकिन किसी को भी किसी भी खेल में हारना पसंद नहीं होता और मुझे भी जीतना पसंद है।'' सूर्यकुमार के पिता अशोक कुमार यादव भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे। लेकिन सूर्यकुमार का कभी पढ़ाई लिखाई में मन नहीं लगा और उनके परिवार ने क्रिकेट में उनके सपनों को साकार करने के लिए पूरा सहयोग दिया। उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार ने मुझे पढ़ाई में अच्छा करने के लिए बहुत प्रेरित किया लेकिन कुछ समय बाद ही उन्हें समझ में आ गया कि इस लड़के को पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं है। यह लड़का उनके हाथ नहीं आएगा।''

सूर्यकुमार ने कहा, ''लेकिन उन्होंने खेल में मेरा हमेशा समर्थन किया क्योंकि उन्होंने पाया कि इसमें मुझे पूरा आनंद आ रहा है और मुझे खेलना पसंद है। इसलिए उन्होंने कहा, 'ठीक है, जाओ खेलो। अगर कुछ हासिल नहीं होता है तो फिर ख्याल रखने के लिए हम तो हैं ही।'' हमेशा मुस्कुराते रहने वाले इस दिग्गज बल्लेबाज ने हालांकि ऐसी नौबत नहीं आने दी जिससे कि उन्हें 'प्लान बी' का सहारा लेना पड़े।

एएफसी एशियन कप 2027 के लिए वियतनाम क्वालीफाई, मलेशिया बाहर

कुआलालंपुर। एएफसी एशियन कप 2027 की दौड़ में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। एशियाई फुटबॉल महासंघ की अनुशासन एवं नैतिकता समिति के फैसले के बाद मलेशिया को बाहर कर दिया गया, जबकि वियतनाम ने टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह फैसला मलेशिया के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है, जबकि वियतनाम के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जहांगीर बगलारी की अध्यक्षता वाली एशियाई फुटबॉल महासंघ की अनुशासन एवं नैतिकता समिति ने पाया कि मलेशिया फुटबॉल संघ ने नियमों का उल्लंघन किया है। जांच में सामने आया कि टीम ने क्वालीफायर मुकाबलों में अयोग्य खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा था। यह कार्रवाई वियतनाम और नेपाल के खिलाफ खेले गए उन मुकाबलों को लेकर की गई, जिनमें मलेशिया ने क्रमशः 4-0 और 2-0 से जीत दर्ज की थी। समिति ने नियमों के तहत इन दोनों मैचों में मलेशिया को 3-0 से पराजित घोषित कर दिया।

मलेशिया फुटबॉल संघ ने अपने बयान में बताया कि इस फैसले के तहत उस पर 50 हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। साथ ही, संघ ने कहा है कि वह इस निर्णय के कारणों को जानने के लिए लिखित अनुरोध करेगा और आगे की कार्रवाई पर विचार करेगा।

इस फैसले के बाद वियतनाम ने एएफसी एशियन कप 2027 के लिए स्थान पक्का कर लिया है। यह लगातार तीसरी बार होगा जब वियतनाम इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। इससे पहले वर्ष 2019 में टीम ने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था।

ट्रंप और अमेरिकी अधिकारियों को प्रमुख प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक सकता है वाडा

न्यूयॉर्क। यह सुनने में भले अजीब सा लगे लेकिन विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी (वाडा) एक ऐसा नियम लागू करने पर विचार कर रही है जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सभी अमेरिकी सरकारी अधिकारियों को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक सकता है, भले ही उनका आयोजन अमेरिकी धरती पर ही क्यों न हो।

अमेरिका में अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है। इनमें इस साल होने वाला फुटबॉल विश्व कप, 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेल और 2034 में यूटा में होने वाले शीतकालीन खेल भी शामिल हैं। यह लड़ाई ट्रंप की मर्जी से नहीं लड़ी जा रही है, बल्कि खुद वाडा इसमें अहम भूमिका निभा रहा है जो पिछले एक दशक में अधिकतर समय ट्रंप और बाइडेन प्रशासन तथा अमेरिका की डोपिंग रोधी एजेंसी के रवैए से खुश नहीं है। यह प्रस्ताव मंगलवार को वाडा की कार्यकारी समिति की बैठक के एजेंडे में शामिल है जो इन सभी पक्षों के बीच वर्षों से चल रही बयानबाजी, चेतावनी और संघर्ष में नवीनतम और सबसे चरम कदम है।

इसका मूल आधार अमेरिकी सरकार का वाडा के वार्षिक शुल्क का भुगतान नहीं करना है। अमेरिका ने 2024 और 2025 के दौरान वाडा के कई मामलों से निपटने के तरीके के विरोध में कुल 73 लाख डॉलर का भुगतान रोक रखा है। इनमें सबसे ताजा मामला चीनी तैराकों से जुड़ा है जिन्हें प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बावजूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी गई थी।

ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने वाली ईरान की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरू किया

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने वाली ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो खिलाड़ियों ने ब्रिस्बेन में एक पेशेवर क्लब के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने के बाद यह पहला अवसर है जबकि वह सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित ए-लीग महिला घरेलू प्रतियोगिता में खेलने वाली टीम ब्रिस्बेन रोर ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं जिनमें ईरान की खिलाड़ी फातिमेह पसंदिदेह और अतेफेह रामेजानीसादेह को क्लब की महिला टीम के साथ दिखाया गया है जिसमें उन्होंने क्लब की जर्सी पहन रखी है और वे मुस्कुरा रही हैं। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब ईरान की टीम के बाकी सदस्य मलेशिया से ओमान के लिए रवाना हो गए। ऑस्ट्रेलिया ने महिला एशियाई कप में भाग लेने के लिए आई ईरान की फुटबॉल टीम की सभी सदस्यों को मानवीय आधार पर वीजा देने की पेशकश की थी। शुरुआत में सात महिलाओं ने शरण का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था, लेकिन बाद में पांच ने अपना मन बदल दिया था। ब्रिस्बेन रोर ने ''फातिमेह और अतेफेह'' का स्वागत करते हुए इंस्टाग्राम पर एक शेरनी का इमोजी पोस्ट किया। ब्रिस्बेन रोर के सीईओ काज़ पटाफ्ता ने लिखा, ''हम उन्हें अच्छा माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे अपने खेल को नए स्तर पर पहुंचा सकें।'' ईरान की दोनों महिला खिलाड़ियों ने इस पोस्ट पर कमेंट किया है। रामेजानीसादेह ने लिखा, ''हर चीज के लिए धन्यवाद।'' क्लब ने इस मामले पर आगे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और सभी सवालों के जवाब के लिए ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्रालय से संपर्क करने को कहा।

संक्षिप्त खबरें

रुपया 12 पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 92.40 प्रति डॉलर पर बंद

नई दिल्ली। मुंबई, 17 मार्च (भाषा) अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मंगलवार को 12 पैसे टूटकर अबतक के सबसे निचले स्तर 92.40 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया संकट के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के कारण रुपये में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख रुपये को कुछ सहारा दे रहा है। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर नजर रखे हुए हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 पर खुला और कारोबार के दौरान सबसे निचले स्तर 92.47 तक आया। अंत में घरेलू मुद्रा अब तक के सबसे निचले स्तर 92.40 पर बंद हुई, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की गिरावट है। सोमवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के बावजूद, रुपया, डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब 92.28 पर बंद हुआ था। एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा रुपये ने 13 मार्च को पहली बार कारोबार के दौरान सबसे निचले स्तर 92.47 को छुआ था, जबकि उस दिन यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 92.30 पर बंद हुआ था।इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढ़कर 99.52 पर रहा।

एलपीजी खपत में मार्च में 17 प्रतिशत गिरावट, युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने से देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत मार्च के पहले पखवाड़े में 17.7 प्रतिशत घट गई। प्रारंभिक उद्योग आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, मार्च के पहले पंद्रह दिन में एलपीजी खपत घटकर 11.47 लाख टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 13.87 लाख टन के मुकाबले 17.3 प्रतिशत कम है। यह फरवरी के पहले पखवाड़े की 15.57 लाख टन मांग से 26.3 प्रतिशत कम है। भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है जिसमें से अधिकतर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। अमेरिका तथा इजराइल द्वारा ईरान पर हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह मार्ग बाधित हो गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आपूर्ति प्रभावित होने के कारण सरकार ने घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए होटल जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति में कटौती की है। सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों के प्रारंभिक बिक्री आंकड़ों के अनुसार एक से 15 मार्च के दौरान एलपीजी खपत 2024 की समान अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत और 2023 की समान अवधि की तुलना में 10.6 प्रतिशत कम रही। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की बाजार में करीब 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एलपीजी खपत में पिछले कुछ वर्ष में सालाना आधार पर तीन से चार प्रतिशत की स्थिर वृद्धि देखी गई थी, जिसका कारण सरकार द्वारा लकड़ी एवं अन्य प्रदूषणकारी ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है।युद्ध के कारण खाड़ी देशों में हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों के निलंबन से विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत भी प्रभावित हुई है। मार्च के पहले पखवाड़े में यह चार प्रतिशत घटकर 3,27,900 टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम है। वहीं मासिक आधार पर इसमें 12.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

भारत गोल्ड माइंस में अपशिष्ट पदार्थों की डंपिंग के मौद्रीकरण में तेजी लाई जाए: संसदीय समिति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने खान मंत्रालय से कर्नाटक के कोलार गोल्ड फील्ड (केजीएफ) में स्थित भारत गोल्ड माइंस लि. (बीजीएमएल) के सोने से समृद्ध लगभग 3.3 करोड़ टन अपशिष्ट भंडार के मौद्रीकरण में तेजी लाने का आग्रह किया है।

सोने की खदानों के अपशिष्ट भंडार (टेलिंग डंप) ऐसे विशाल भंडारण स्थल होते हैं जिनमें सोने के खनन के बाद बचे हुए बारीक पत्थर, पानी और प्रसंस्कृत रसायन होते हैं। ये पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। बीजीएमएल खान मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला एक सार्वजनिक उपक्रम है जो 2001 से ही बंद पड़ा है। 2026-27 के बजट में इसके रखरखाव के लिए 8.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। संसद की कोयला, खान और इस्पात मामलों की स्थायी समिति ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा है कि केजीएफ में लगभग 3.3 करोड़ टन अपशिष्ट भंडार है। इनमें सोने और अन्य कीमती धातुओं को फिर से प्राप्त करने योग्य मात्रा मौजूद है। ये मौद्रीकरण के लिए चिन्हित किए गए हैं। संसदीय समिति ने मंत्रालय से मौद्रीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। समिति ने यह भी कहा कि इस संबंध में ताजा गतिविधियों से उसे अवगत कराया जाए। बीजीएमएल की स्थापना अप्रैल 1972 में खान विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में हुई थी। इसका कार्यालय केजीएफ में स्थित था। बीजीएमएल मुख्य रूप से केजीएफ में और आंध्र प्रदेश में कुछ छोटे खनन कार्यों में सोने के खनन और उत्पादन में लगी हुई थी। बीजीएमएल का संचालन आर्थिक रूप से अव्यावहारिक होने के बाद इसे बंद कर दिया गया था।

मंत्रिमंडल ने 2006 में पूर्व कर्मचारी समिति के पहले अस्वीकृति के अधिकार के साथ वैश्विक निविदा के माध्यम से संपत्तियों के निपटान का निर्णय लिया था। कुछ कारणों से मंत्रिमंडल का यह निर्णय लागू नहीं हो सका। हालांकि, खान मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में सरकार बीजीएमएल के संबंध में भविष्य की योजनाओं और अन्य व्यवहारिक विकल्पों की तलाश कर रही है।

भारत मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभरा है : नैसकॉम अध्यक्ष

नई दिल्ली। नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं एवं खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के कारण वैश्विक कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे तथा मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं जिससे भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है। 'नैसकॉम ग्लोबल कॉन्फ्लुएंस 2026' में नांबियार ने कहा कि निर्यात पर काफी हद तक निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों एवं कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीके को मूल रूप से बदल दिया है। उन्होंने कहा, '' पहले सभी केवल लागत एवं दक्षता को ही प्राथमिकता देते थे... अब वह दौर खत्म हो चुका है। दक्षता महत्वपूर्ण है लेकिन यह निर्णायक कारक नहीं है। मजबूती अब कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

'डस्टर' नए अवतार में वापस लौटी, कीमत 10.49 लाख रुपये से शुरू

नई दिल्ली। फ्रांसीसी वाहन विनिर्माता रेनो ने मंगलवार को भारतीय बाजार में अपनी मध्यम आकार की एसयूवी 'डस्टर' के पूरी तरह नए अवतार को 10.49 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया। रेनो के पूर्ण-स्वामित्व वाली भारतीय इकाई रेनो इंडिया ने यहां एक कार्यक्रम में नई डस्टर के टर्बो पेट्रोल संस्करण को बिक्री के लिए जारी करते हुए कहा कि देशभर में इसकी डिलिवरी अब शुरू हो गई है। कंपनी ने एकदम नए रंग-रूप एवं प्लेटफॉर्म के साथ तैयार नई डस्टर की पहली झलक 26 जनवरी को चेन्नई में दिखाई थी। इसके हाइब्रिड संस्करण की आपूर्ति इस साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। आधुनिक तकनीकी खूबियों एवं आरामदायक सुविधाओं से लैस इस एसयूवी को कंपनी ने अपने नए प्लेटफॉर्म आरजीएमपी पर तैयार किया है और इसे भारतीय सड़कों की मांग के अनुरूप डिजाइन किया गया है।

नई डस्टर में टर्बो टीसीई 1.0 लीटर और 1.6 लीटर वाले दो इंजन विकल्प उपलब्ध हैं। इसे मैनुअल ट्रांसमिशन के अलावा डीसीटी ट्रांसमिशन के साथ भी पेश किया गया है। पांच संस्करणों में उपलब्ध इस मॉडल के शुरुआती संस्करण की शोरूम कीमत 10.49 लाख रुपये रखी गई है। हालांकि, 31 मार्च तक बुकिंग कराने वाले ग्राहकों को यह संस्करण 10.29 लाख रुपये की शोरूम कीमत पर ही मिल जाएगा। रेनो ने इस एसयूवी को फुल एलईडी लाइटिंग, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, एडास फीचर और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर के साथ पेश किया है। कंपनी ने इस पर सात साल की वारंटी की भी घोषणा की है। रेनो इंडिया के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) फ्रांसिस्को हिडाल्गो ने इस मौके पर संवाददाताओं से कहा, ''नई डस्टर भारतीय ग्राहकों की उम्मीदों के अनुरूप मजबूत प्रदर्शन, टिकाऊपन और रोजमर्रा की उपयोगिता वाली खूबियों से लैस है। हमें उम्मीद है कि यह भारतीय ग्राहकों को एक भरोसेमंद विकल्प देगी।'' हिडाल्गो ने कहा कि डस्टर को मिल रहे समर्थन को देखते हुए कंपनी को अगले कुछ वर्षों में भारतीय बाजार में एक अच्छी हिस्सेदारी हासिल करने की उम्मीद है।

फिलहाल कंपनी की बाजार हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने डस्टर के हाइब्रिड संस्करण के अपने खंड में सबसे आगे रहने का भरोसा जताते हुए कहा कि यह शहर में 80 प्रतिशत तक बैटरी पर चलने में सक्षम है। इस संस्करण को महानगरों में लगभग 40 प्रतिशत बुकिंग मिली हैं और वर्ष 2026 के लिए निर्धारित हाइब्रिड क्षमता पूरी तरह से बुक हो चुकी है। नई डस्टर को देशभर में रेनो के 350 से अधिक बिक्री और 450 से अधिक सर्विस सेंटर के नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। रेनो ने जुलाई, 2012 में डस्टर को पेश करने के साथ भारत में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) का नया खंड बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

पोषक खाद्य पदार्थ उद्योग के लिए नियमन लाने की तैयारी कर रही है सरकार: पासवान

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि भारत पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थों (न्यूट्रास्यूटिकल) के उद्योग के लिए नियमन लाने पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए सरकार 'कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन' जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर काम कर रही है।

न्यूट्रास्यूटिकल उद्योग वह क्षेत्र है जिसमें ऐसे खाद्य उत्पाद बनाए जाते हैं जो शरीर को पोषण देने के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करते हैं। पासवान ने उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि न्यूट्रास्यूटिकल उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए इसके लिए स्पष्ट और मजबूत नियम होना जरूरी है। पासवान ने कहा, ₹हम कोडेक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय नियामकीय निकायों के साथ मिलकर औपचारिक नियम बनाने पर काम कर रहे हैं ताकि उद्योग की वृद्धि हो सके।₹ उन्होंने कहा कि यह उद्योग नया है और इसका दायरा बहुत बड़ा है।

इसलिए इसमें कई सुधार करने और नई नीतियों लाने की जरूरत है, जिन पर सरकार काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान पासवान ने कहा कि सरकार इस क्षेत्र की कमियों को दूर करने के लिए तैयार है और उद्योग से जुड़े लोगों से सुझाव भी मांगे गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार अब खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा पर भी ध्यान दे रही है।

'मेजॉय' की शुरुआत एक बड़े और आकर्षक कलेक्शन के साथ की गई है, जिसमें 250 से ज्यादा अलग-अलग डिजाइन शामिल हैं।

मलाइका ने नया लाइफस्टाइल एक्सेसरी ब्रांड 'मेजॉय' किया लॉन्च

मुंबई। फैशन की दुनिया में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोरा ने अपना नया लाइफस्टाइल एक्सेसरी ब्रांड 'मेजॉय' लॉन्च किया है। 'मेजॉय' की शुरुआत एक बड़े और आकर्षक कलेक्शन के साथ की गई है, जिसमें 250 से ज्यादा अलग-अलग डिजाइन शामिल हैं। इस ब्रांड को उन्होंने एक्सीड इंटरनेशनल और मंत्रा जाबांग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर तैयार किया है। इस कलेक्शन में खास तौर पर हैंडबैग और लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी को प्रमुखता दी गई है। ब्रांड के पहले कलेक्शन में हैंडबैग के कई स्टाइल पेश किए गए हैं, जिनमें क्रॉसबॉडी बैग, स्ट्रक्चर्ड शोल्डर बैग, बकेट बैग, टोट बैग, ऑफिस के लिए क्लासिक बैग, बैकपैक और क्लच जैसे विकल्प शामिल हैं। इन बैग्स को सिंथेटिक लेदर, ब्रेडेड डिजाइन, साटन, राइनस्टोन और मेटैलिक फिनिश जैसे अलग-अलग मटेरियल से तैयार किया गया है। हर डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि वह फैशनेबल होने के साथ-साथ रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए भी सुविधाजनक रहे। हैंडबैग के अलावा ब्रांड में लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी का भी खास कलेक्शन पेश किया गया है। इसमें रिंग, ईयररिंग, पेंडेंट, ब्रेसलेट और टेनिस ब्रेसलेट जैसे कई आकर्षक डिजाइन शामिल किए गए हैं। इन ज्वेलरी पीस को सिल्वर, गोल्ड और रोज-गोल्ड टोन में तैयार किया गया है। ज्वेलरी का बेस 925 स्टर्लिंग सिल्वर से बनाया गया है, जिससे इसकी गुणवत्ता और मजबूती सुनिश्चित होती है। साथ ही इन ज्वेलरी में इस्तेमाल किए गए डायमंड को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं इंटरनेशनल गेमोलॉजीकल इंस्टीटयूट और गेमोलॉजिकल सर्टिफिकेशन इंस्टीटयूट से प्रमाणित किया गया है। 'मेजॉय' केवल एक फैशन ब्रांड नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक खास विचार भी जुड़ा हुआ है। ब्रांड का मुख्य संदेश 'द जॉय ऑफ बीइंग मी' है, जिसका अर्थ है अपने असली रूप में खुश रहना और आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान को स्वीकार करना। यह ब्रांड तीन प्रमुख सिद्धांतों असलीपन, आत्मविश्वास और आसानी से उपलब्ध होने पर आधारित है। इसके तहत ऐसे डिजाइन पेश करने की कोशिश की गई है जो स्टाइलिश और आधुनिक होने के साथ-साथ आम लोगों की पहुंच में भी हों। ब्रांड के लॉन्च के अवसर पर मलाइका अरोड़ा ने कहा कि 'मेजॉय' उनका एक पुराना सपना रहा है। उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान वह हमेशा मानती रही हैं कि फैशन लोगों को आत्मविश्वास देता है और उन्हें सहज महसूस कराता है। उनके मुताबिक यह ब्रांड हर महिला को अपनी पहचान पर गर्व करने और अपने स्टाइल को खुलकर व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है। इस मौके पर एमजेआईपीएल के हाउस ऑफ ब्रांड्स के प्रमुख सुमन साहा ने कहा कि यह ब्रांड मलाइका अरोड़ा के आधुनिक फैशन सेंस को ग्राहकों तक पहुंचाने की एक शानदार पहल है। वहीं एक्सिड इंटरटेनमेंट के सीईओ अफसर जैदी ने कहा कि किसी सेलिब्रिटी के साथ मिलकर ब्रांड तैयार करना जिम्मेदारी भरा काम होता है।

जिंदगी एक शतरंज की तरह : महक चहल

मुंबई। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिनेत्री महक चहल ने एक ऐसी तस्वीर साझा की, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अभिनेत्री पोस्ट में शतरंज खेलती नजर आ रही हैं और इसके साथ उन्होंने जिंदगी को लेकर एक दिलचस्प संदेश भी साझा किया है। महक चहल तस्तीर में शतरंज की बिसात के सामने बैठी दिखाई दे रही हैं। तस्वीर में उनका अंदाज बेहद शांत और गंभीर नजर आ रहा है, मानो वह अपनी अगली चाल के बारे में गहराई से सोच रही हों। शतरंज की बिसात पर सजे मोहरों को ध्यान से देखते हुए उनका यह अंदाज काफी प्रभावशाली लग रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक खास संदेश भी लिखा, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। महक ने कैप्शन में लिखा, "जिंदगी काफी हद तक शतरंज की तरह है। कुछ चालें आपको जीत दिलाती हैं और कुछ से आप सीखते हैं। दोनों ही तरह से, यह सब खेल का हिस्सा है।" उनके इस विचार को सोशल मीडिया पर काफी सराहना मिल रही है और कई लोग इसे प्रेरणादायक बता रहे हैं। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर फैंस लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई यूजर्स ने उनके संदेश को जीवन से जुड़ी एक बड़ी सीख बताया है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि जिंदगी सच में शतरंज की तरह होती है, जहां हर चाल हमें कुछ न कुछ सिखाती है। वहीं एक अन्य प्रशंसक ने लिखा कि यह केवल शतरंज का खेल नहीं, बल्कि जीवन का गहरा संदेश है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि हार और जीत दोनों ही जिंदगी का हिस्सा हैं और हार के बिना जीत की असली कीमत समझ में नहीं आती। महक चहल के करियर की बात करें तो उन्होंने अपने अभिनय की शुरुआत साल 2002 में तेलुगु फिल्म निथो से की थी। इसके बाद 2003 में उन्होंने हिंदी फिल्म नई पडोसन के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा, जिससे उन्हें पहचान मिली। आगे चलकर वह कई हिंदी, पंजाबी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में नजर आईं और अपने डांस परफॉर्मेंस से भी दर्शकों का ध्यान खींचा। साल 2009 में वह सलमान खान की फिल्म वांटेड में भी दिखाई दीं। फिल्मों के अलावा उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में भी अपनी खास पहचान बनाई। वह लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 5 में नजर आईं, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए रनर-अप का स्थान हासिल किया। मालूम हो कि मनोरंजन जगत में सोशल मीडिया अब सिर्फ तस्वीरें साझा करने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि कलाकार इसके जरिए अपने विचार, अनुभव और जीवन से जुड़े नजरिए भी प्रशंसकों तक पहुंचाते रहते हैं।